MUMBAI TARANG™

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

सफलता हमेशा अच्छे विचारों से आती हैं औरअच्छे विचार अच्छे लोगों के सम्पर्क से आते हैं.

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-26 ❖ मुंबई ❖ रविवार 20 से 26 जून 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3 विदेशी दूल्हा पाने की चाहत में ठगी का शिकार हुई महिला, 62 लाख की लगी चपत

पेज 5 पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सस्ते दामों में प्लॉट दिलाने का वादा कर 50 करोड़ की ठगी

पेज 7 चनप्रीत सिंह की 21 कविताओं का संग्रह 'एक अकेला पेड़' का विमोचन मुंबई में हुआ

पेज 8 लोगों की लापरवाही से तीसरी लहर आ सकती है-टोपे

हिंदुत्व कोई कंपनी नहीं है : उद्धव ठाकरे

शिवसेना के 55 वें स्थापना दिवस पर गरजे पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे

मुंबई, महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि हिंदुत्व कोई कंपनी नहीं है, जैसा कि वे कहते हैं शिवसेना ने इसलिए छोड़ दिया क्योंकि हमने (कांग्रेस और राकांपा के साथ) सरकार बनाई थी। हिंदुत्व दिल से आता है। कुछ लोग जानना चाहते हैं कि यह सरकार कब तक चलेगी, हम देखेंगे। लेकिन फिलहाल हमें गरीबों के लिए काम करना है। उद्धव ठाकरे के मुताबिक, शिवसेना पहले से ज्यादा मजबूत बनकर उभरी है। कुछ लोगों को शक्ति खोने के बाद पेट में दर्द हो रहा है। उन्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। मैं उन्हें दवा नहीं दे सकता लेकिन मैं उन्हें राजनीतिक दवा दूंगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी ने अपने दम पर पश्चिम बंगाल का चुनाव लड़ा और जीता। तमाम तरह की टिप्पणियों और हमलों के बावजूद बंगालियों ने अपनी इच्छाशक्ति दिखाई। दो शब्दों वंदे मातरम से आजादी की लड़ाई को नया जीवन देने वाले बंगाल ने दिखा दिया कि आजादी के लिए क्या करना चाहिए। जब भी क्षेत्रीय गौरव को खतरा होता है, संघीय ढांचे पर दबाव पड़ता है तो पश्चिम बंगाल इस बात का उदाहरण है कि 'अकेले जाना' क्या है। बंगाल में हर तरह के हमले हुए लेकिन सभी बंगाली गौरव के पक्षधर थे। बंगाल ने एक उदाहरण दिखाया है कि क्षेत्रीय गौरव की रक्षा कैसे की जाती है।

हिंदुत्व की विचारधारा को कभी नहीं छोड़ेंगे

गौरतलब है कि इससे पहले दिसंबर, 2019 में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में एलान किया कि वह हिंदुत्व की विचारधारा को कभी नहीं छोड़ेंगे। उद्धव का यह बयान महाविकास अघाड़ी के घटक कांग्रेस और राकांपा के लिए परेशानी का सबब बन सकता है, जिन्होंने शिवसेना के साथ राज्य में गठबंधन सरकार बनाई है। यही नहीं, सरकार चलाने के लिए तीनों दलों के बीच बने न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) की भूमिका में ही खासकर 'सेक्यूलर' शब्द का उल्लेख किया गया है।

विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, 'मैं अभी भी हिंदुत्व की विचारधारा के साथ हूं, इसे मुझसे अलग नहीं किया जा सकता है।' भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस पर कटाक्ष करते हुए ठाकरे ने कहा, 'दिए गए वचन का पालन करना ही मेरे हिंदुत्व का हिस्सा है। जय श्री राम बोलना एवं वचन का पालन न करना हिंदुत्व नहीं है। मैं कल भी अपने हिंदुत्व का पालन करता था, आज भी करता हूं और आगे भी करता रहूंगा।' शिवसेना प्रमुख का इशारा फड़नवीस के उस बयान की तरफ था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने कभी मुख्यमंत्री पद को साझा करने का वादा नहीं किया था।

कोरोना कंट्रोल में मुंबई ने लगाई बड़ी छलांग !

देश की आर्थिक राजधानी और सबसे बड़े महानगर मुंबई ने कोरोना कंट्रोल मामले में रिकॉर्ड स्तर पर सुधार किया है। मुंबई अब कोरोना के खतरे से खाली है। कोरोना कंट्रोल को लेकर सरकार के तय श्रेणी सूची में मुंबई मनपा ने बड़ी छलांग लगाई है। पिछले दो सप्ताह से मुंबई तीसरे श्रेणी से सीधे पहली श्रेणी में आ गई है। मतलब लेवल तीन से लेवल दो पर आ गई है। शुक्रवार को आई रिपोर्ट के अनुसार मुंबई में नए कोरोना मरीजों की दर ३.७९ है तो ऑक्सीजन बेड उपयोग में होने का प्रमाण मात्र २३.५६ प्रतिशत है। अब मुंबई लेवल एक में आ गई है। कोरोना के नए मरीज कम मिलने और मरीजों के ठीक होने के बढ़े प्रमाण से मुंबई की 'सेहत' बेहतर होने के साथ ही संचारबंदी में छूट मिलने की आस बढ़ गई है। अब आम लोग लोकल ट्रेन सहित मार्वेâट पूरी तरह खुलने के इंतजार में हैं लेकिन कोरोना नियंत्रण के बावजूद मनपा मुंबईकरो को कोई बड़ी राहत देने के मूड में नहीं दिख रही है। मुंबईकरों को और कितनी छूट मिलेगी? इस पर आज मनपा आयुक्त की बैठक के बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

रश्मि शुक्ला मामले में दखल देना चाहती है सीबीआइः महाराष्ट्र सरकार

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि सीबीआइ अनिल देशमुख मामले में अपनी जांच का दायरा बढ़ाकर आइपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला मामले में दखल देना चाहती है। महाराष्ट्र सरकार के वकील रफीक दादा ने शुक्रवार को मुंबई उच्च न्यायालय में कहा कि राज्य सरकार पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के साथ खड़ी नहीं दिखना चाहती। वह देशमुख के कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही सीबीआइ के काम में दखल नहीं देना चाहती। वह अब हमारे मंत्री हैं भी नहीं। लेकिन सीबीआइ अनिल देशमुख मामले की जांच का दायरा बढ़ाकर रश्मि शुक्ला मामले में दखल देना चाहती है।

राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है, जिसमें कहा गया कि सीबीआइ द्वारा अनिल देशमुख के विरुद्ध दायर एफआईआर के कुछ हिस्से गैर जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि राज्य की शिवसेना-कांग्रेस-राकांपा सरकार को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। इस याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति एसएस शिंदे व एनजे जामदार की खंडपीठ कर रही है। राज्य सरकार सीबीआइ की एफआइआर में से उस हिस्से को हटवाना चाहती है, जिसमें राज्य की पूर्व इंटेलीजेंस कमिश्नर रश्मि शुक्ला द्वारा लगाए गए ट्रांस्फर-पोस्टिंग मामले का जिक्र है। रश्मि शुक्ला ने राज्य में महाविकास अघाड़ी सरकार बनने के कुछ दिन बाद दी गई अपनी जांच रिपोर्ट में तब के गृहमंत्री अनिल देशमुख पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। सीबीआइ इसीलिए इस मामले में भी देशमुख की जांच करना चाहती है। राज्य सरकार को इसी बात पर एतराज है। उसका कहना है कि उच्च न्यायालय ने देशमुख पर लगे 100 करोड़ की वसूली मामले में ही सीबीआइ जांच का आदेश दिया है। ना कि किसी अन्य मामले में। इसलिए सीबीआइ को रश्मि शुक्ला द्वारा दी गई जांच रिपोर्ट को अपनी जांच के दायरे में शामिल नहीं करना चाहिए। राज्य सरकार रश्मि शुक्ला की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए उनके विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर चुकी है।

जबरन फीस वसूली तो खैर नहीं! बनेगा कठोर कानून

अंबरनाथ, कोरोना महामारी के चलते संचारबंदी में कई लोगों को आर्थिक समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस दौर में स्कूल-कॉलेज सब बंद हैं। इसके बावजूद कुछ स्कूल परीक्षा फल के नाम पर तथा अगली क्लास में भेजने के लिए जबरन फीस की मांग रहे हैं। कई अभिभावकों ने इसकी शिकायत की है। पर अब जबरन फीस वसूलने वालों की खैर नहीं। इस संबंध में कठोर कानून बनने के संकेत मिले हैं। विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर कोरोना परिस्थिति पर गौर करते हुए जबरन फीस मांगने वाले स्कूलों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने अंबरनाथ शहर के अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों के अभिभावकों की शिकायत पर गौर करते हुए पिछले दिनों अभिभावकों, स्कूलों के संचालक / मुख्याध्यापकों को पंचायत समिति के गट शिक्षण अधिकारी जतकर की उपस्थिति में एक बैठक लेकर कहा था कि किसी भी तरह की फीस के लिए पालकों के बीच चर्चा कर ही फीस लें। टर्म फीस व ट्यूशन फीस के अलावा अन्य किसी भी तरह की फीस न ली जाए। इसके बावजूद शिकायतें आ रही हैं कि बच्चों का रिजल्ट देने के लिए फीस की मांग की जा रही है, अन्यथा रिजल्ट न देने की धमकी दी जा रही है।

कोरोना से होने वाली हर मौत पर 4 लाख का मुआवजा देना संभव नहीं, सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया

नई दिल्ली, कोरोना संक्रमण के चलते मरने वाले लोगों के परिजनों को मुआवजा देने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। अब केंद्र सरकार ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा देकर अपना जवाब दिया है। केंद्र सरकार ने हलफनामे में कहा कि कोरोना से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 4 लाख रूपये का मुआवजा नहीं दिया सकता है। केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि हर कोरोना संक्रमित मरीज की मौत पर मुआवजा राज्यों के वित्तीय सामर्थ्य से बाहर है। अनिवार्य मुआवजा केवल प्राकृतिक आपदाओं पर सुप्रीम कोर्ट को दिए अपने हलफनामे में केंद्र सरकार ने कहा कि आपदा कानून के तहत अनिवार्य मुआवजा केवल प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़ आदि पर ही लागू होता है। सरकार ने अपने जवाब में यह भी कहा कि अगर एक बीमारी से होने वाली मौत पर मुआवजा दिया जाता है और दूसरी पर नहीं तो यह गलत होगा। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके कोरोना संक्रमण से मरने वाले लोगों के परिजनों के लिए 4 लाख रुपये मुआवजे की मांग की गई है।

केंद्र और राज्य पहले से ही गंभीर वित्तीय दवाब में केंद्र सरकार ने सर्वोच्च अदालत को दिए जवाब में कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के लिए मुआवजे को कोरोना महामारी पर लागू करना किसी भी तरह से उचित नहीं होगा। केंद्र सरकार और राज्य पहले ही राजस्व में कमी और स्वास्थ्य खर्च में बढ़ोतरी के कारण गंभीर वित्तीय दबाव में हैं। मुआवजा देने के लिए संसाधनों का उपयोग महामारी के खिलाफ कार्यवाही और स्वास्थ्य व्यय को प्रभावित कर सकता है। कोरोना महामारी के कारण अबतक 3,85,000 से अधिक मौतें हुई हैं जिनके और भी बढ़ने की संभावना है।

आसान नहीं है सिद्धू के लिए पंजाब में कोई बड़ा पद पाना, पार्टी के पुराने और नए नेताओं के बीच बन रहा 'गठबंधन'

नई दिल्ली, पंजाब में कांग्रेस आलाकमान की लाख कोशिशों के बाद भी सबकुछ ठीक नहीं हुआ है। क्रिकेटर से नेता बने नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर बात अब तक बनी नहीं है। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी संगठन में कोई बड़ा पद सिद्धू को दिए जाने की सुगबुगाहट के बीच इसे रोकने के लिए पार्टी के पुराने और नए नेताओं ने हाथ मिला लिया है। सिद्धू के खिलाफ लामबंदी शुरू राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा और पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के बीच कड़वाहट खत्म होती दिख रही है। प्रताप सिंह बाजवा को कैप्टन अमरिंदर का धुर विरोधी माना जाता है। पंजाब चुनाव से कुछ महीने पहले पार्टी में मचे घमासान के बीच इन दो नेताओं का साथ आने का मतलब है कि सिद्धू के लिए राह आसान नहीं होगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाजवा ने जो बातें कहीं उससे यह साफ जाहिर होता है कि सिद्धू के खिलाफ लामबंदी शुरू हो गई है। नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर बाजवा ने कहा कि जब वो कांग्रेस में आ रहे थे तो कई कई वरिष्ठ नेताओं ने इसमें रुकावट पैदा की थी। उस समय मैंने इनके लिए सिफारिश की थी। पार्टी हाईकमान और कार्यकर्ता चाहते हैं कि उनको अहम रोल दिया जाए,लेकिन शीर्ष स्थान पर पहुंचने के लिए कुछ वक्त भी चाहिए। बाजवा ने कहा कि आप पार्टी में आए हैं कुछ समय दीजिए।

क्या लाल रंग की कार में हुई मनसुख की हत्या?

डायटम रिपोर्ट, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, विडियोग्राफी पर उठे सवाल

मुंबई, एंटीलिया विस्फोटक मामले में एनआईए ने जिन 10 लोगों को अब तक गिरफ्तार किया है, उनमें सबसे अधिक सवाल पूर्व एसीपी और शिवसेना नेता प्रदीप शर्मा की गिरफ्तारी पर उठ रहे हैं। एनआईए ने शर्मा की गिरफ्तारी के लिए पुख्ता सबूत होने का कोर्ट में दावा किया है। शर्मा के घर से मिले लाइसेंसी रिवॉल्वर (अवधि समाप्त) और संतोष शेलार की भूमिका को अहम माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए ने कोर्ट में दावा किया कि शेलार, आनंद जाधव,

सतीश मोथकुरी उर्फ तन्नी भाई उर्फ विक्की बाबा और मनीष सोनी ने विनायक शिंदे के साथ मिलकर मनसुख हिरेन की लाल रंग की टवेरा गाड़ी में गला दबाकर हत्या करने के बाद उसकी लाश को मुंब्रा खाड़ी में फेंक दिया।

वारदात को अंजाम देने के बाद सतीश और मनीष ने सचिन वाझे और प्रदीप शर्मा को इसकी जानकारी दी।शर्मा का खबरी था शेलार एनआईए की तरह महाराष्ट्र एटीएस भी मनसुख के पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं थी। इसलिए एनआईए के रेडार पर मनसुख का पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर के अलावा इसकी विडियो रिकॉर्डिंग करने वाले भी जिम्मेदार हैं। एनआईए को मनसुख के डायटम रिपोर्ट में छेड़छाड़ का संदेह है।

महंगाई ने बढ़ाई मुसीबत

पेट्रोलियम गुड्स, कमॉडिटी और लो बेस इफेक्ट के कारण मई में थोक महंगाई दर 12.94 फीसदी और खुदरा महंगाई दर 6.30 फीसदी तक चली गई, जो पिछले 6 महीने में सबसे अधिक है। यह रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2-6 फीसदी के लक्ष्य से ज्यादा है। यह बुरी खबर है क्योंकि इससे आरबीआई पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का दबाव बढ़ेगा। यह बात और है कि वह ऐसा नहीं करेगा क्योंकि असल चिंता जीडीपी ग्रोथ बढ़ाने की है। कोरोना महामारी की वजह से लॉकडाउन और मांग में कमी आने के कारण ग्रोथ कमजोर बनी हुई है। दूसरी तरफ, चीन, अमेरिका और अन्य अमीर देशों में आर्थिक गतिविधियां तेज हो रही हैं, जिससे कच्चे तेल और दूसरी कमॉडिटी के दाम और बढ़ेंगे। यानी आगे भी आरबीआई के लिए ग्रोथ और महंगाई दर के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होगा।

कमॉडिटी के अधिक दाम से उद्योग-धंधों पर भी बुरा

असर पड़ेगा क्योंकि उनके लिए कच्चे माल की लागत बढ़ जाएगी। इससे मैन्युफैक्चर्ड गुड्स और महंगे होंगे। इसे कोर इन्फ्लेशन कहते हैं। इसमें पेट्रोलियम गुड्स और खाने-पीने की महंगाई दर शामिल नहीं होती। मई में यह पिछले 83 महीनों में सबसे अधिक रही। इसका मतलब यह है कि कंपनियां कच्चे माल की बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल रही हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) ने जनवरी-मार्च तिमाही में 1,481 कंपनियों के नतीजों का विश्लेषण किया तो पता चला कि उन्हें 1.8 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनके प्रॉफिट मार्जिन में बढ़ोतरी है। यह मार्जिन उन्हें सामान के दाम बढ़ाने से मिल रहा है। इसे हेल्दी नहीं माना जा सकता क्योंकि महामारी के कारण उद्योग-धंधों के बंद होने या कम उत्पादन, बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ने और पगार घटने से वस्तुओं और सेवाओं की मांग घटी है। आम ग्राहकों के लिए बुरी खबर इतनी ही नहीं है। खुदरा महंगाई दर में खाने के सामान की महंगाई मई में 5.01 फीसदी रही, जो इससे पिछले महीने सिर्फ 1.96 फीसदी थी। इसमें खाने का तेल और दाल की कीमतों का बड़ा योगदान है। खाने के सामान के साथ पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की महंगाई से गरीबों पर सबसे अधिक चोट पड़ रही है। इससे दूसरी जरूरतों पर खर्च करने के लिए उनके पास कम पैसा बच रहा है। यही हाल रहा तो इससे खपत और घटेगी, जिसका ग्रोथ पर बुरा असर होगा। केंद्र और राज्य चाहें तो पेट्रोलियम गुड्स पर टैक्स घटाकर लोगों को फौरन महंगाई से राहत दे सकते हैं। पेट्रोल के दाम में 61 फीसदी और डीजल में 54 फीसदी टैक्स के मद में जाता है। इससे लोगों, कारोबारियों और रिजर्व बैंक को राहत मिलेगी, कर्ज सस्ता बना रहेगा, खपत को मजबूती मिलेगी। इसके साथ, केंद्र को आर्थिक गतिविधियां तेज करने के लिए राहत पैकेज लाने पर भी विचार करना चाहिए।

टीके पर नासमझी

किरीट ए. चावड़ा

सरकार ने अपनी तरफ से यह स्पष्टीकरण देकर अच्छा किया है कि भारत बायोटेक की कोवैक्सीन में नवजात बछड़ों का सीरम नहीं होता। सोशल मीडिया के जरिए फैली यह अफवाह महामारी की तीसरी लहर को रोकने के तमाम प्रयासों पर पानी फेर सकती है। हालांकि इसके मूल में आरटीआई के तहत पूछे गए सवाल से मिले जवाब को बताया जा रहा है, लेकिन इस जवाब को कांग्रेस के एक नेता ने जिस अंदाज में ट्वीट किया, उससे इस विवाद ने एक अलग ही रूप ले लिया। हालांकि विवाद बढ़ने के बाद न केवल भारत बायोटेक और केंद्र सरकार की ओर से बल्कि ट्विटर पर सक्रिय जानकार लोगों की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश हुई। इससे यह साफ हुआ कि मामला आरटीआई के तहत हासिल किए गए जवाब का उतना नहीं, जितना उसे समझने में हुई चूक का है।

वेरो सेल विकसित करने के लिए अगर बछड़े के सीरम का इस्तेमाल होता है तो इसका मतलब यह नहीं हुआ कि फाइनल प्रॉडक्ट यानी वैक्सीन में भी यह सीरम होता है और न ही यह कि इसके लिए नवजात बछड़ों को मारा जाता है।

कोवैक्सीन पोलियो, रैबीज और इन्फ्लुएंजा के टीकों में भी इसका इस्तेमाल दुनिया भर में होता रहा

है। मगर यहां मसला सिर्फ एक टेक्निकल मुद्दे को न समझने भर का नहीं, उसके राजनीतिक इस्तेमाल की मंशा का भी है। सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोलर की ओर से मिले जवाब को ट्वीट करते हुए कांग्रेस नेता का यह कहना मायने रखता है कि मोदी सरकार ने कबूल किया है कि कोवैक्सीन में नवजात बछड़े का सीरम होता है... यह सूचना पहले ही सार्वजनिक की जानी चाहिए थी। जाहिर है, सरकार विरोधी तेवर के साथ ही इसमें धार्मिक भावनाओं को लाने की परोक्ष कोशिश भी है।

ट्वीट के वायरल होने के पीछे इन दोनों कारकों की भी भूमिका रही है और इसी को रेखांकित करते हुए शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि जो वैज्ञानिक सोच और रिसर्च की जरूरत बताते रहते हैं, आज एक आरटीआई के आधार पर वैक्सीन में धार्मिकता के सवाल को लाकर लोगों में वैक्सीन संबंधी हिचक को बढ़ावा दे रहे हैं। अच्छी बात यह रही कि अपने एक नेता की ओर से किए गए इस ट्वीट को कांग्रेस ने भी ज्यादा तूल नहीं दिया। उसने खुद को इस विवाद से अलग रखा। सभी राजनीतिक दलों को समझना चाहिए कि वायरस के खिलाफ लड़ाई को किसी भी रूप में बाधित करना आत्मघाती होगा। खासकर मौजूदा दौर, जब दूसरी लहर उतार पर है और तीसरी लहर आने में थोड़ा वक्त है, हमारी तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम है। इसी अंतराल में टीकाकरण की प्रक्रिया को तेज करके हम तीसरी लहर के रूप में आने वाली विपदा को टाल सकते हैं। ऐसे में सबकी कोशिश टीकाकरण प्रक्रिया को यथासंभव तेज करने की ही होनी चाहिए।

पैथी कोई भी हो, मरीज का ठीक होना जरूरी

जिगर डी वाढेर

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 2017 में पहली बार नैशनल प्रोग्राम फॉर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ कैंसर, डायबीटीज, कार्डियोवैस्कुलर डिजीजेस एंड स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) के लिए आयुष मंत्रालय से समझौता किया और इन बीमारियों में एलोपैथी के साथ आयुर्वेदिक इलाज को मंजूरी दी। इसके तहत बिहार के गया, राजस्थान के भीलवाड़ा, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी समेत छह जिलों में सफल पायलट प्रॉजेक्ट भी चलाया गया।

इस प्रॉजेक्ट में डायबीटीज, कैंसर, पक्षाघात, हृदय और सांस से संबंधित बीमारियों के इलाज में एलोपैथी और आयुर्वेदिक दवाओं का एक साथ प्रयोग करके देखा गया। इनमें लगभग 93 हजार मरीजों को लंबे समय तक उपचार के लिए चुना गया। इससे मरीजों को बीमारी से उबरने में काफी कम समय लगा। इस तरह के प्रयोग के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि चाहे एलोपैथी के ज्ञाता हों या फिर आयुर्वेद, होम्योपैथी के या फिर स्वास्थ्य महकमा, इन सभी को प्रयास इस बात की करनी चाहिए कि लोगों की जिंदगी बचाने के लिए विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों को मिलाकर एक छत के नीचे मरीज का इलाज कैसे संभव हो। प्राथमिकता मरीज का जीवन बचाना है, इसलिए अलग-अलग चिकित्सा पद्धति के साथ सफल प्रयोग पर जोर हो। हालांकि एलोपैथी निर्विवाद रूप में जटिल बीमारियों के लिए श्रेष्ठ पद्धति है। इसे नकार नहीं सकते। यह आपातकाल में सबसे ज्यादा कारगर भी है। लेकिन ऐसी कई बीमारियां है, जिसमें दूसरी चिकित्सा पद्धतियां भी कारगर साबित हुई हैं। अस्थमा, डायबीटीज, माइग्रेन, एलर्जी, कैंसर आदि कई बीमारियों का स्थायी इलाज फिलहाल उपलब्ध नहीं है। इन बीमारियों में आयुर्वेदिक उपचार भी लिया जाता है। मेडिकल फील्ड के जानकारों के मुताबिक कई बीमारियों ऐसी हैं, जिनमें अलग-अलग चिकित्सा विधियों के समावेशी उपचार की संभावना बनी रहती है। कई पैथियों के एक साथ प्रयोग से इलाज करना एक बेहतर विकल्प होता है क्योंकि यह कई बीमारियों से जल्द राहत दिलाता है और शरीर को भी कई तरह के साइड इफेक्ट्स से बचाता है।

आयुष मंत्रालय ने ऐसी कई आयुर्वेदिक दवाओं की पहचान की है, जिन्हें एलोपैथिक डॉक्टर बड़े पैमाने पर लिखते हैं। वहीं, बीते सालों में डायबीटीज, कैंसर, किडनी व दिल की बीमारियों के लिए असरदार आयुर्वेदिक दवाएं विकसित करने का दावा किया गया है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तहत आने वाले एनबीआरआई और सीआईएएमपी ने बीजीआर-34 नाम की आयुर्वेदिक दवा विकसित की है। इसे टाइप-2 डायबीटीज के इलाज में असरदार बताया गया है।

वहीं, सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेस (सीसीआरएएस) ने आयुर्वेदिक फॉर्म्युले से आयुष-क्यूओएल- 2सी नामक दवा बनाई। एलोपैथी के साथ इस आयुर्वेदिक दवा का इस्तेमाल एम्स दिल्ली और जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु में स्तन और सर्वाइकल कैंसर के मरीजों में किया जा रहा है। इसके अलावा साल 2019 में भोपाल एम्स के अध्ययन में आयुर्वेदिक एंटीबायोटिक दवा फीफाट्रोल को स्टैफिलोकोकस प्रजाति के तीन बैक्टीरिया के खिलाफ बेहद प्रभावी पाया गया। स्टैफिलोकोकस बैक्टीरिया त्वचा, सांस और पेट संबंधी संक्रमण के लिए जिम्मेदार है।

ये तो महज चंद उदाहरण हैं। आयुर्वेदिक दवाएं एलोपैथी की दवाइयों के साइड इफेक्ट्स रोकने में और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी उपयोगी हैं। ऐसे में इनका एक साथ उपयोग कई जिंदगियां बचा सकता है। इसी के चलते साल 2018 में गुरुग्राम स्थित वरीय चिकित्सा संस्थान मेदांता- दि मेडिसिटी ने मेदांता- आयुर्वेद तक की शुरुआत की है। भारत में यह पहली बार है, जब किसी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एलोपैथी और आयुर्वेद से एक साथ इलाज होगा। आधुनिक चिकित्सा और प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों के ऐसे सहयोगी प्रयासों से ही बेहतरीन इलाज संभव हो सकता है।

इस सबके बावजूद जब पिछले दिनों बाबा रामदेव और आईएमए का विवाद सामने आया, तो सोशल मीडिया से लेकर हर जगह इस मसले पर तर्क और उससे कहीं ज्यादा कुतर्क शुरू हो गए। बहरहाल, जब तक कोविड-19 का कोई पुख्ता इलाज नहीं मिल जाता, तब तक सभी पैथियों को इस बात पर अमल करना चाहिए कि कैसे वे आपस में मिलकर अधिक से अधिक जिंदगी बचा लें।

सरकारों से क्यों भिड़ रहा है सोशल मीडिया

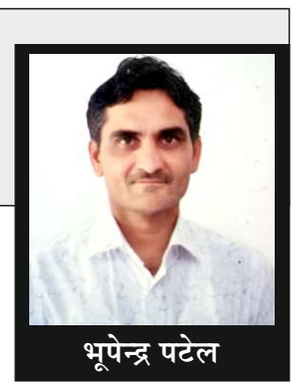

भूपेन्द्र पटेल

हाल के दिनों में सोशल मीडिया कंपनियों का सरकार से टकराव बढ़ा है। खासकर मोदी सरकार के दूसरे टर्म में कई मसलों पर इन कंपनियों के सरकार से मतभेद हुए। कुछ मामले तो अदालत तक पहुंच गए। वॉट्सऐप से जुड़ा मसला कोर्ट में है। उधर, ट्विटर और सरकार के बीच विवाद भी दिनो-दिन बढ़ता ही जा रहा है। सरकार ने मानकों का पालन नहीं करने के मामले में ट्विटर को मिला कानूनी कवच हटा लिया। आखिर क्या वजह है कि सोशल मीडिया और सरकार के बीच तकरार इस तरह का रूप लेती जा रही है, और क्यों इसे हल करने की कोशिशें सफल नहीं हो रहीं?

हाल के दिनों में भारत ही नहीं, पूरे विश्व में सोशल मीडिया और सरकारों के बीच तनातनी रही है। पूरे घटनाक्रम का दिलचस्प पहलू यह है कि सत्ता में बैठे जिन लोगों से सोशल मीडिया का टकराव हुआ, उनमें अधिकतर ऐसे हैं जिनके लिए कभी सोशल मीडिया सत्ता की सीढ़ी बना था। भारत में भी 2014 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने प्रचंड जीत हासिल की थी, तो उन्होंने इसके लिए सोशल मीडिया को भी मददगार बताया था।

नया नहीं है यह टकराव

भारत सहित कई देशों में सोशल मीडिया के साथ टकराव के पीछे मुख्य कारण यह है कि हर सरकार अपने-अपने स्तर पर नियम बना रही है। भारत ने भी हाल ही में सोशल मीडिया के लिए नए कानून बनाए हैं। वैसे यह टकराव अचानक शुरू नहीं हुआ। यूपीए-2 के समय ही सोशल मीडिया पर अंकुश लगाने पर पहला टकराव हुआ आईटी एक्ट की धारा 66ए को लेकर। हालांकि, तब सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक इसका उपयोग करने वाले यूजर्स पर अंकुश लगा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को खत्म कर दिया। फिर जब मोदी सरकार सत्ता में आई, तो सबसे पहले 2016-17 में टकराव हुआ। तब केंद्र सरकार ने नए कानून बनाने की भी पहल की थी, जिसमें कहा गया कि सभी सोशल मीडिया कंपनियों को भारतीय यूजर्स का डेटा भारत में ही रखना होगा और उन्हें यहां अलग से लाइसेंस भी लेना होगा। सरकार का तर्क है कि ये कंपनियां देश के अंदर कानूनी प्रक्रिया से इसलिए बच जाती हैं, क्योंकि इन्होंने लाइसेंस देश के अंदर से नहीं लिया है। लेकिन इसके लिए भी सोशल मीडिया कंपनियां आज तक तैयार नहीं हुई हैं। इसके बाद सरकार का टकराव फेसबुक से हुआ। इस सोशल मीडिया कंपनी पर राजनीतिक दलों के साथ काम करने वाली कैंब्रिज एनालिटिका के साथ मिलकर चुनावी लाभ के लिए डेटा लीक करने का आरोप लगा था। यह भी आरोप लगा था कि फेसबुक अपने प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल करके चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश करता है। इस खुलासे के बाद मोदी सरकार ने फेसबुक को चेतावनी दी थी कि अगर उसने डेटा चोरी के जरिए चुनावों को प्रभावित करने का कोई प्रयास किया, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जकरबर्ग को भी नोटिस भेजा था। लेकिन बाद में फेसबुक के भरोसा दिलाने के बाद विवाद शांत हो गया। 2019 में आम चुनाव से पहले ट्विटर से भी टकराव हुआ। तब चुनाव से ठीक पहले शिकायत मिलने के बाद संसदीय समिति ने सोशल मीडिया कंपनी के शीर्ष अधिकारियों को नोटिस भेजा था। आरोप था कि दक्षिणपंथी विचारों को सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जान-बूझकर टारगेट किया जा रहा है। इसके बाद अब सामने आया है नया आईटी कानून, जिसे लेकर अभी सारा विवाद है। केंद्र सरकार और वट्सऐप में इन दिनों तनातनी चल रही है। सरकार इस सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर आने वाले हेट और फेक कंटेंट पर अंकुश लगाने के लिए आईटी एक्ट में बदलाव कर संदेशों को ट्रैक करने का अधिकार चाहती है। लेकिन वट्सऐप ने कहा है कि चूंकि वह यूजर्स की निजता से समझौता नहीं कर सकती, इसलिए वह इसके लिए तैयार नहीं है। गूगल ने भी सरकार की बात मानी, लेकिन डेटा साझा करने के मुद्दे पर अभी गोलमोल उत्तर ही दिया है। उधर, सरकार ने आरोप लगाया कि ट्विटर कानून ही मानने को तैयार नहीं है। कंपनियों का अपना तर्क है कि विश्व के अलग-अलग देशों में सरकारें नियमों का हवाला देकर फ्री स्पीच पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रही है। विश्व के कई देशों में इसकी मिसाल भी दिखी। इसी चिंता के बीच अभी जी-7 देशों के सम्मेलन में ताकतवर देशों ने लिखित प्रस्ताव पास किया कि वे फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन (ऑनलाइन और ऑफलाइन) का पूरा सम्मान करते हैं। इससे डेमोक्रेसी को मजबूती मिलती है, लोगों को भयमुक्त और दबाव मुक्त वातावरण मिलता है। हाल के सालों में अमेरिका और यूरोपीय देशों में भी इसी तरह की तकरार देखने को मिली। अमेरिका में तो यह विवाद वहां हुए चुनाव के दौरान इतना बढ़ गया था कि तत्कालीन प्रेसिडेंट ट्रंप का सोशल मीडिया अकाउंट ही बंद कर दिया गया। सोशल मीडिया बनाम सरकार का विवाद हर बार फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन की बहस में उलझकर रह गया, लेकिन इस विवाद को उसके इतर भी जाकर देखने की जरूरत है।

विदेशी दूल्हा पाने की चाहत में ठगी का शिकार हुई महिला, 62 लाख की लगी चपत

मुंबई, मेट्रोमोनियल साइट्स आजकल ऑनलाइन ठगी का एक बड़ा अड्डा बनती जा रही हैं। हर दिन यहां पर किसी न किसी के ठगे जाने की खबर सामने आती रहती है। ताजा मामला मुंबई से जुड़ा हुआ है। जहां एक महिला विदेशी दूल्हे की चाहत में ऑनलाइन ठगी का शिकार बनी है। महिला शादी के सात फेरे तो नहीं ले पाई अलबत्ता उसे 62 लाख रुपये जरूर गवाने पड़े हैं।

यह मामला मुंबई के विलेपार्ले इलाके में रहने वाली 42 वर्षीय महिला के साथ पेश आया है। पीड़िता और आरोपी मनोज जोसेफ की मुलाकात एक मेट्रीमोनियल वेबसाइट पर हुई थी। आरोपी ने महिला को अपनी बातों में फंसा कर 62 लाख रुपये ठग लिए।

ऐसे हुई ठगी

दरअसल पोर्टल पर मुलाकात के आरोपी मनोज ने बीते वर्ष महिला से संपर्क किया। इस दौरान आरोपी ने खुद को ऑस्ट्रेलिया के निवासी बताया था। उसने महिला को यह भी बताया कि उसके मां-बाप हिंदुस्तानी हैं और वो इंग्लैंड में काम करता है। महिला का भरोसा जीतने के लिए उसने कहा कि वो बिज़नेस के सिलसिले में अक्सर दिल्ली आता जाता रहता है। इस बीच धीरे धीरे दोनों के दरम्यान बातचीत और नजदीकियां बढ़ती चली गईं।

बिज़नेस के बहाने ठगी

पुलिस के मुताबिक अब तक आरोपी महिला का भरोसा जीत चुका था। उसने महिला को अपने जाल में पूरी तरह से फंसाने के लिए उसे शादी के लिए भी प्रपोज़ कर दिया। और यहीं से शुरू हुआ ठगी का सिलसिला। एकदिन अचानक महिला को एक विदेशी बैंक से मैसेज आया कि मनोज ने एक जॉइंट अकाउंट खोला है। अब तक सब ठीक था लेकिन कुछ दिन फिर उसी बैंक से एक और मैसेज आया जिसमें लिखा था कि मनोज ने उस अकाउंट में साढ़े 4 लाख रुपये जमा किये हैं। यहीं से ठगी की शुरूआत हुई। जब महिला ने इस बारे में आरोपी से पूछा तो उसने कहा कि वह दिल्ली में व्यापार के लिए पैसे जमा कर रहा है, तुम भी कुछ पैसों की मदद करो। जिसके बाद महिला ने धीरे धीरे उस अकाउंट में तकरीबन 62 लाख रुपये ट्रांसफर किये। लेकिन 25 मई के बाद उसने पैसे डालना बंद कर दिया। जिसके बाद एक दिन महिला के पास एक फोन आया जिसमें कॉल करने वाले ने बताया कि वह मनोज का पिता है और उसे ड्रग्स मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। कुछ दिन बाद महिला को एक ईमेल भी आया जिसमें बताया गया कि मनोज को 10 साल की सजा मिली है और उसके पिता की भी मौत हो गई है।

प्रेमी संग पति की हत्या करने का आरोप, गिरफ्तार

कल्याण, कल्याण क्राइम ब्रांच की यूनिट 3 ने एक महिला को अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने पति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने शव को बदलापुर कर्जत मार्ग पर फेंक दिया और भाग खड़े हुए।

पुलिस ने सभी आरोपियों को विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया है। दिलचस्प बात ये है कि पत्नी ने ही अपने पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी महिला लक्ष्मी प्रवीण पाटील ने 4 जून को मानपाड़ा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका पति प्रवीण पाटील लापता है, मानपाड़ा पुलिस के साथ-साथ इस मामले को कल्याण क्राइम ब्रांच यूनिट 3 को भी जांच के लिए सौंपा गया। क्राइम ब्रांच द्वारा कॉल रिकार्ड की जांच की गई, तो शक की सुई लक्ष्मी पर ही गई। इस संबंध में आरोपियों ने बताया कि 2 जून को लक्ष्मी अपने प्रेमी अरविंद तथा उसके दोस्त सनी के साथ बज्रेश्वरी घूमने गई थी। रात में अरविंद के घर पर रुक गई, जहां उसने उसे बताया कि उसका पति उसे हर दिन प्रताड़ित करता है। इससे नाराज अरविंद महिला के पति को अपने घर लेकर आया, जहां वह पत्नी को देखकर आग बबूला हो गया और झगड़ा शुरू हो गया।

गुस्से में अरविंद, सनी तथा लक्ष्मी ने पहले तो प्रवीण की लात घूंसों से पिटाई की, बाद में उसके गले पर धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी।

हत्या के बाद उसकी लाश को चटाई में लपेट कर बदलापुर कर्जत मार्ग पर फेंक दी। इस वारदात का खुलासा करने में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजू जॉन के साथ विलास पाटील, भूषण दायमा, शरद पंजे की विशेष भूमिका रही।

मुंबई-औरंगाबाद-नांदेड-हैदराबाद मार्ग से चलाई जाए बुलेट ट्रेन, पीडब्ल्यूडी मंत्री चव्हाण की मांग

मुंबई,मुंबई-औरंगाबाद-जालना-नांदेड-हैदराबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की मांग कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्य के पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चव्हाण ने की है। इसे लेकर चव्हाण ने एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सौंपा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार भी उनके साथ थे। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार यह प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजे। इस संबंध में मंत्री चव्हाण ने कहा कि देश में बुलेट ट्रेन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की स्थापना की गई है। भविष्य में मुंबई-नागपुर और पुणे-सोलापुर मार्ग से मुंबई से हैदराबाद के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है, पर इससे मराठावाडा के साथ न्याय नहीं होगा। नांदेड तक ऐसे बढ़ा सकते हैं बुलेट ट्रेन

चव्हाण ने कहा कि समृद्धि महामार्ग से जोड़ने वाले मार्ग जालना-नांदेड महामार्ग को मंत्रिमंडल की इंफ्राटेक्चर सुविधा समिति ने मंजूरी दे दी है। भूमि अधिग्रहण करने की अधिसूचना जारी करने का प्रस्ताव सरकार के पास भेज दिया गया है। इस महामार्ग के लिए अधिग्रहीत जमीन से मुंबई-नागपुर बुलेट ट्रेन परियोजना को जालना-नांदेड तक बढाया जा सकता है। इस रूट को आगे नांदेड से हैदराबाद तक बढाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुंबई से हैदराबाद जाने के लिए पुणे-सोलापुर और औरंगाबाद-नांदेड मार्ग जैसे दो रूट के विकल्प उपलब्ध हैं।

मुंबई के बाद अब कोंकण में भिड़े शिवसेना-बीजेपी कार्यकर्ता

शिवसेना भवन के बाहर बीजेपी और शिवसेना के बीच हुए विवाद के बाद अब सिंधुदुर्ग में भी शिवसेना और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच में झड़प हुई है। शिवसेना के विधायक वैभव नाईक ने पार्टी के 55वें स्थापना दिवस के मौके पर एक पेट्रोल पंप पर सस्ते दाम में लोगों को पेट्रोल देना शुरू किया था। जब इस बात की खबर बीजेपी कार्यकर्ताओं को लगी तो उन्होंने घटनास्थल पर आकर इस बात का कड़ा विरोध किया है और यहीं से दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच में जमकर झड़प हुई। दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं को तितर बितर करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने शिवसेना विधायक पर मारपीट का आरोप भी लगाया है। हालांकि की पुलिस की मुस्तैदी से बड़ी घटना होने से टल गई। बाद में शिवसेना कार्यकर्ता और विधायक दूसरे पेट्रोल पंप पर निकल गए। शिवसेना ने मुहिम चलाई थी कि बीजेपी का पहचान पत्र दिखाओ और मुफ्त पेट्रोल पाओ। शिवसेना ने 100 रुपये में दो लीटर पेट्रोल(प्रति वाहन) देना शुरू किया था।

कोरोना बढ़ा, लेकिन दूसरी बीमारियां हुईं गायब

मुंबई, मुंबई में डेंगी, मलेरिया, लेप्टोस्पायरोसिस, स्वाइन फ्लू, गैस्ट्रो और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियां सक्रिय रहती हैं, लेकिन कोरोना ने सभी बीमारियों को पीछे छोड़ दिया है। इस कोरोना काल में सभी बीमारियों के ग्राफ लुढ़क कर नीचे आ गए हैं। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक इस कोरोना काल में अन्य कोई भी बीमारी उफान पर नहीं आई है। 2019 की तुलना में 2020 तक जानवरों के संक्रमित मल मूत्र के संपर्क में आने से होने वाली बीमारी लेप्टोस्पायरोसिस के आंकड़ों में 15.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा एडीज इजिप्टी मच्छर से होने वाली डेंगी बीमारी के ग्राफ में 86.08 प्रतिशत, दूषित खान-पान से होने वाली पेट से संबंधित बीमारी गैस्ट्रो और हेपेटाइटिस बीमारी में 68.19 प्रतिशत और 83.12 प्रतिशत और स्वाइन फ्लू के से ग्रसित होने वालों की संख्या 90.24 प्रतिशत से कम हुई है। लेकिन एनोफिलीज मच्छर से होने वाली बीमारी मलेरिया का ग्राफ पिछले साल की तुलना में 2020 में 19 प्रतिशत बढ़ा है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में मलेरिया से 4557 लोग बीमार पड़े थे, जो 2020 में बढ़कर 5007 हो गए। 2020 में मलेरिया से सिर्फ एक मौत हुई थी, जबकि लेप्टो से 2019 में 281 लोग ग्रसित हुए थे और 11 लोगों की मौत हुई थी। 2020 में लेप्टो से 240 लोग बीमार पड़े और आठ लोगों की मौत हुई। इसके अलावा डेंगी से वर्ष 2019 में 920 लोग बीमार पड़े और तीन लोगों की मौत हुई।

स्वाइन फ्लू से इस साल 5 मौतें

इसी वर्ष स्वाइन फ्लू से 451 बीमार पड़े और 5 लोगों की मौत हुई। हेपेटाइटिस से 1534 लोग ग्रसित हुए और 1 की मौत हुई जबकि गैस्ट्रो से 7785 बीमार पड़े। वर्ष 2019 के विपरीत वर्ष 2020 में डेंगी से 129 लोग बीमार पड़े और तीन लोगों की मौत हुई, जबकि गैस्ट्रो से 2549, हेपेटाइटिस से 263 और स्वाइन फ्लू से 44 लोग ही बीमार पड़े।

पिछले साल एक भी मौत नहीं

साल 2020 में हेपेटाइटिस, गैस्ट्रो और स्वाइन फ्लू से एक भी मौत नहीं हुई। 2019 और 2020 की तुलना में इस वर्ष के शुरुआती 6 महीनों में मलेरिया से लेकर स्वाइन फ्लू तक सभी बीमारी कमजोर रहे। इन 6 महीनों में मलेरिया के 1510, डेंगी के 37, लेप्टो के 48, गैस्ट्रो से 1144, हेपेटाइटिस के 69 और स्वाइन फ्लू के सिर्फ 2 ही मरीज मिले। इन 6 महीनों में इन बीमारियों से एक भी लोगों की मौत नहीं हुई है।

'केंद्र की मंशा राज्य सरकार को अस्थिर करना', महाराष्ट्र सरकार ने किया कोर्ट का रुख

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में कहा कि वह नहीं चाहती कि उसे एनसीपी नेता अनिल देशमुख का बचाव करते हुए देखा जाए, लेकिन सीबीआई राज्य के पूर्व गृह मंत्री के खिलाफ अपनी जांच का दायरा बढ़ाकर आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ जांच में हस्तक्षेप करने का प्रयास कर रही है। राज्य ने यह आरोप लगाते हुए अदालत का रुख किया है कि देशमुख के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी द्वारा दर्ज एफआईआर के कुछ हिस्से गैर-जरूरी है और इसकी मंशा शिवसेना-कांग्रेस-एनसीपी सरकार को अस्थिर करने की है।'

महाराष्ट्र सरकार के वकील रफीक दादा ने न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति एन.जे. जामदार की खंडपीठ के समक्ष कहा, 'राज्य कथित भ्रष्टाचार को लेकर देशमुख के खिलाफ सीबीआई की जांच में हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। वह सिर्फ यह चाहता है कि एफआईआर से कुछ अंश निकाल दिए जाएं।' जब सीबीआई के वकील ने प्रस्ताव दिया कि अदालत को राज्य और देशमुख की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करनी चाहिए, तो वकील रफीक दादा ने कहा, 'सीबीआई ने अपनी एफआईआर में मुंबई पुलिस अधिकारी के सचिन वझे की बहाली (अब बर्खास्त) और कुछ अन्य अधिकारियों के तबादले और तैनाती के मुद्दों को शामिल किया था। ये मूल शिकायत का हिस्सा नहीं थे।

उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को एफआईआर में शामिल करना आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला से जुड़े मामले में हस्तक्षेप करने का बहाना था। कथित अनधिकृत फोन टैपिंग और एक गोपनीय रिपोर्ट के लीक होने के मामले में राज्य की पूर्व खुफिया आयुक्त शुक्ला के खिलाफ जांच चल रही है।

राज्य में 42 फीसद कम हुई ऐक्टिव मरीजों की संख्या, 18 दिन में 95 हजार कम हुआ आंकड़ा

मुंबई, राज्य में अब कोरोना भी सिमटता जा रहा है। नए मरीजों के साथ ऐक्टिव मरीजों की संख्या भी घट रही है। पिछले 18 दिनों में ऐक्टिव मरीजों की संख्या में 42 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मानें, तो दूसरी लहर में जितनी तेजी से मरीजों की संख्या बढ़ी थी, उतनी ही तेजी से अब संख्या भी घट रही हैं। ऐक्टिव मरीजों की संख्या आने वाले दिनों में और भी कम हो जाएगी। महज 18 दिन में ऐक्टिव मरीजों की संख्या 95,934 से कम हुई है। मुंबई सहित राज्य में कोरोना के नए मरीजों में रोजाना गिरावट देखी जा रही है, साथ ही स्वस्थ हो रहे मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। शुक्रवार 18 जून को राज्य में ऐक्टिव मरीजों की संख्या कम होकर 1 लाख 34 हजार 747 तक पहुंच गई है, जबकि 1 जून को ऐक्टिव मरीजों की संख्या 2 लाख 30 हजार 681 थी। गौरतलब है कि 1 जून को राज्य का रिकवरी रेट 94.28 प्रतिशत तक पहुंच गया था, लेकिन अच्छे ट्रीटमेंट के चलते रिकवरी रेट एक बार फिर 95.73 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

मुंबई में 14 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई में पिछले 18 दिन में शहर में ऐक्टिव मरीजों की संख्या में 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। 1 जून को मुंबई के ऐक्टिव मरीजों की संख्या 17328 थी, जो शुक्रवार को घटकर 14860 तक पहुंच गई।

मुंबई में मिले 762 मरीज

मुंबई में शुक्रवार को कोरोना के 762 नए मरीज मिले हैं और 19 लोगों की मौत हुई है। साथ ही, राज्य में शुक्रवार को कोरोना के 9798 नए मरीज मिले हैं और 198 लोगों की कोरोना से मौत हुई है।

दवा की कालाबाजारी करने के आरोपी अरेस्ट

ब्लैक फंगस की दवा की कालाबाजारी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश ठाणे की कापुरबावडी पुलिस ने किया है। पुलिस ने मुंबई मनपा के एक मार्शल और पालघर स्थित एक मेडिकल स्टोर के कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए निखिल पवार और अमरदीप सोनवणे को पुलिस हिरासत में रखा। पुलिस ने इनके पास से ऐम्फोटेरिसिन-बी की 14 वॉयल जब्त की हैं। आरोपी 7 हजार 816 रुपये मूल्य वाले एक वॉयल को साढ़े 10 हजार में बेचते थे।

अडिशनल कमिश्नर अनिल कुंभारे को दवा की कालाबाजारी करने वाले गिरोह की जानकारी मिली थी, जिसके बाद ठाणे फूड ऐंड ड्रग विभाग के अधिकारियों के साथ कापुरबावडी पुलिस की पीआई प्रियतमा मुठे की टीम ने जाल बिछाया और दोनों को दवाओं सहित धर दबोचा। सीनियर पीएआई अनिल देशमुख के मार्गदर्शन में जांच शुरू है।

यात्री बताएंगे कैसे और कब चलें एसी लोकल

मुंबई, एसी लोकल की मुंबईकरों में लोकप्रिय बनाने के लिए रेलवे एक सर्वे कर रही है। इसमें लोगों से पूछा जा रहा है कि वे एसी लोकल कौन से रूट पर चाहते हैं, कितना किराया होना चाहिए और कोच की व्यवस्था कैसी होनी चाहिए? रेलवे सेमी एसी लोकल चलाना चाहती है, जिसमें सामान्य और एसी कोच रहेंगे। मध्य रेलवे ने कुछ महीनों पहले मेनलाइन पर एसी लोकल चलाई थी, जिसे यात्रियों का अच्छा प्रतिसाद नहीं मिला। अब मध्य रेलवे सर्वे के लिए फॉर्म तैयार कर रही है। यात्रियों से पूछा जायेगा कि वे कौनसे रूट पर यात्रा करते हैं, क्या वे नियमित यात्री हैं, कौनसी क्लास में यात्रा करते हैं, सीजन टिकट या कार्ड टिकट में से किससे यात्रा करते हैं। एक वरिष्ठ रेलवे अधिकारी ने बताया कि सर्वे का मकसद है यात्रियों से जानना कि वे भविष्य में एसी लोकल सेवाओं के लिए तैयार हैं या नहीं।

सेमी एसी लोकल की कवायद

लंबे समय से रेलवे मुंबई में सेमी एसी लोकल चलाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, इसे चलाने के लिए तकनीकी अड़चनें आ रही हैं, जिन्हें दूर करने पर काम चल रहा है। सर्वे के माध्यम से लोगों से ये भी पूछा जाएगा कि एसी लोकल के लिए क्या संरचना होनी चाहिए। 3 एसी और 9 नॉन एसी कोच या फिर 6 एसी और 6 नॉन एसी कोच रखे जाएं।

एसी लोकल से लोगों को परेशानी

अब तक मुंबई में जितनी एसी लोकल की सेवाएं चली हैं, उनमें लोगों ने सबसे ज्यादा शिकायत सामान्य सेवाओं को हटाने पर की है। एक एसी लोकल रेक से करीब दस सेवाएं चलाई जाती हैं और इसका मतलब है दस सामान्य लोकल की सेवाएं बंद करनी पड़ती हैं।

इन शिकायतों को दूर करने के लिए ही रेलवे सेमी एसी लोकल फॉर्म्यूला पर काम कर रही है।

किराए पर भी होगी बात

लोगों ने रेलवे को पहले भी सुझाव दिया था कि एसी लोकल का किराया फर्स्ट क्लास के आसपास रखा जाएगा।

मुंबई में फर्स्ट क्लास का किराया सामान्य टिकट से पांच गुना महंगा है और एसी लोकल का किराया फर्स्ट क्लास से डेढ़ गुना महंगा। लोगों की शिकायत रहती है कि लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास डिब्बों में केवल सीटों का फर्क होता है और लोग भीड़ को टालने के लिए फर्स्ट क्लास टिकट खरीदते। वैसे, पिछले कुछ सालों में फर्स्ट क्लास के यात्रियों में भी वृद्धि हुई है। ऐसे में, रेलवे चाहती है कि इस तरह के यात्रियों को एसी लोकल में शिफ्ट किया जा सकता है।

लॉकडाउन ने बनाया चोर-मुंबई में अपने ही दोस्त के घर से चोरी कर भागी दो एक्ट्रेस, कैमरे में कैद होने के बाद हुई गिरफ्तार

मुंबई की गोरेगांव पूर्व की आरे पुलिस ने क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया जैसे मशहूर टीवी शो में काम करने वाली 2 एक्ट्रेस को चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया है। पकड़े जाने के बाद एक एक्ट्रेस ने बताया कि लॉकडाउन के कारण उनका काम बंद हो गया था, पेट भरने के लिए उनके पास इसके अलावा और कोई चारा नहीं था। खास यह है कि इन दोनों ने अपनी ही एक दोस्त के घर लाखों रुपयों की चोरी की है। दोस्त के घर ये पेइंग गेस्ट बन कर रह रही थीं। आरे पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नूतन पवार ने बताया कि चोरी की यह वारदात 18 मई को पॉश रॉयल पाम सोसाइटी में हुई थी। चोरी के बाद फरार हो रही एक्ट्रेस की तस्वीरें सोसाइटी के कंपाउंड में लगे CCTV कैमरों में कैद हुई थी। गिरफ्तार हुई एक्ट्रेस का नाम सुरभि सुरेन्द्र लाल श्रीवास्तव(25) और मोसिना मुख्तार शेख (19) है। दोनों पर अपने दोस्त के घर से 3 लाख 28 हजार रुपए गायब करने का आरोप है। जो वीडियो फुटेज सामने आया है, उसमें ये एक पोटली में पैसे लेकर जाती हुई नजर आ रहीं हैं।

माइग्रेन के दर्द को ठीक करने में कारगर हैं ये तीन योगासन, जानें कैसे करें

मनोज जोशी

योग करने के एक नहीं कई फायदे हैं। आप अपनी परेशानियों के मुताबिक योगासन कर सकते हैं। आप कोई भी योगासन करें, लेकिन कुछ फायदे ऐसे हैं, जो आपको मिलने ही मिलने है।

जैसे, नेचुरल ग्लोइंग स्किन, तनाव से मुक्ति और अच्छी नींद। आप किसी भी उम्र क्यों न हो, योग शुरू कर सकते हैं। 21 जून को विश्व योग दिवस है। आप चाहें, तो इस दिन से योग को अपने जीवन का अहम हिस्सा बना सकते हैं। आज हम आपको शुरूआत के ऐसे तीन आसान योगासन बता रहे हैं, जिन्हें करने से माइग्रेन जैसे दर्द से भी राहत मिलती है।

पद्मासन

स्टेप 1. जमीन पर एक क्रॉस-लेग्ड स्थिति में बैठें (पैर एक दूसरे के ऊपर टिके हुए) रीढ़ की हड्डी सीधी रखते हुए।

स्टेप 2. अपने दोनों हाथों को ज्ञान मुद्रा में लाएं (अपने अंगूठे के सिर और तर्जनी को मिलाकर एक छोटा गोला बनाएं) और उन्हें अपने घुटनों पर रखें।

स्टेप 3. इस मुद्रा में कुछ मिनट के लिए सांस अंदर-बाहर करें। इस आसन को दूसरे पैर से ऊपर की ओर करके दोहराएं।

बालासन

स्टेप 1. योग चटाई पर अपने पैरों के आधार को छत की ओर रखते हुए घुटने टेकें। आपके हाथों को आपकी तरफ रखा जाना चाहिए।

स्टेप 2. अपने पैर की उंगलियों को एक साथ रखें और घुटनों को एक दूसरे से थोड़ा अलग रखें।

स्टेप 3. सांस छोड़ें और उसी समय अपने धड़ को आगे की ओर ले जाएं, अपने पेट को अपनी जांघों पर टिकाएं।

स्टेप

4. आपका सिर चटाई को छूना चाहिए। अब अपने दोनों हाथों को चटाई को छूने के लिए अपने सामने फैलाएं।

स्टेप 5.4-5 सांसों के लिए रुकें और फिर प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं।

शवासन

स्टेप 1. अपनी पीठ के बल आराम से लेट जाएं और अपनी आंखें बंद कर लें।

स्टेप 2. आपके हाथ और पैर एक दूसरे से अलग और आराम की मुद्रा में होने चाहिए।

स्टेप 3. नासिका छिद्र से धीरे-धीरे सांस लें और अपने पैर की उंगलियों से शुरू होकर अपने शरीर के हर हिस्से पर ध्यान आकर्षित करें।

स्टेप 4. सांस छोड़ें और आराम करें।

योग से माइग्रेन का इलाज

माइग्रेन का कोई अचूक इलाज नहीं है. आप केवल दवाओं पर भरोसा कर सकते हैं और लक्षणों को कम करने के लिए कुछ हेल्दी लाइफस्टाइल में बदलाव कर सकते हैं। माइग्रेन अक्सर अलग-अलग चीजों से शुरू होता है और तनाव उनमें से एक है। योग का अभ्यास स्ट्रेस लेवल को मैनेज करने में मदद करता है, जिससे लक्षणों में कमी आती है।

वेट लॉस प्लान हो जाएगा बेकार, अगर इन बातों का नहीं रखेंगे ध्यान

संजय शर्मा

कई बार हम रोजमर्रा की जिंदगी में इतने घिर जाते हैं कि अपनी फिटनेस पर भी ध्यान नहीं दे पाते। हम पतले हो रहे हैं या मोटे, इस बात पर ध्यान ही नहीं जाता और जब ध्यान जाता है तो बहुत देर हो चुकी होती है। आप तमाम

कोशिशों के बावजूद व्यायाम नहीं कर पाते, तो दूसरे उपाय अपना सकते हैं- मॉर्निंग वॉक करें अगर आप सुबह-सुबह व्यायाम नहीं कर पाते हैं, तो शुरुआत हल्के-फुल्के व्यायाम से करें। इसके लिए मॉर्निंग वॉक करना यानी सुबह सैर करना बहुत अच्छा होगा। ध्यान रखें कि पैदल चलने से आपका ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है और अंगों को हिलाने-डुलाने से धीरे-धीरे चर्बी घटती है। अगर आप शुरू में ज्यादा नहीं चल पाते हैं, तो कम-से-कम 20 मिनट या आधा घंटा चलने से शुरुआत करें और फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाते जाएं। इससे धीरे-धीरे चर्बी कम होने लगेगी।

सीढ़ियों का प्रयोग करें

अगर आप व्यायाम नहीं करते हैं, तो आपके लिए सबसे बेहतर उपाय यह है कि आप सीढ़ियों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। सीढ़ियों से चढ़ना और उतरना सबसे बेहतर व्यायाम है। अगर आप रोज व्यायाम नहीं कर पाते, तो सीढ़ियों से चढ़ने और उतरने का काम अपनी आदत में डाल लें। यह ऐसा व्यायाम है, जिसके लिए आपको अलग से कोई तैयारी नहीं करनी है। बस आपको घर आते-जाते और ऑफिस में आने-जाने के लिए सीढ़ियों का उपयोग करना है।

दफ्तर में रखें ध्यान

अगर आप कार से ऑफिस जाते हैं, तो अपनी गाड़ी ऑफिस से थोड़ी दूर पार्क करें, जिससे कि गाड़ी तक आने-जाने के दौरान आप थोड़ा पैदल चल लें। इसके अलावा छोटे-मोटे कामों के लिए नजदीक के बाजार जाना हो, तो पैदल ही निकल पड़ें। सबसे जरूरी यह है कि लंच करने के बाद तुरंत कुर्सी पर बैठकर काम न शुरू करें, 10-15 मिनट की वॉक जरूर करें।

देर से बोलना क्यों शुरु करते हैं कुछ बच्चे? ये टिप्स करेंगे आपकी मदद

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बचपन सबसे पहले उन्हें मां-पापा कहकर पुकारे लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ बच्चे अपनी उम्र में आकर भी बोलना शुरू नहीं करते। ऐसे में उनके माता-पिता को चिंता होने लगती है कि उनका बच्चा आखिर बोल क्यों नहीं पाता और उनके मन में कई सवाल भी आते हैं।

क्यों देर से बोलते हैं बच्चे

जो बच्चे जन्म के बाद देर से रोना आरंभ करते हैं, वे बोलना भी देर से आरंभ करते है अर्थात जो शिशु जन्म के समय खुलकर न रोए या उसे रुलाने के लिए कोई उपचार करना पड़े, तो ऐसे बच्चे अक्सर देर से बोलना सीखते हैं। इसके अतिरिक्त गर्भावस्था के समय मां के जॉन्डिस से ग्रस्त होने अथवा नॉर्मल डिलीवरी के समय बच्चे के मस्तिष्क की बांई ओर चोट लग जाने की वजह से भी बच्चे की सुनने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

सुनने तथा बोलने का गहरा संबंध है। जो बच्चा ठीक से सुन नहीं पाता वह बोलना भी आरंभ नहीं करता। लगभग छह महीने का बच्चा 17 प्रकार की विभिन्न ध्वनियों को पहचानने की क्षमता रखता है और यही ध्वनियां आगे चलकर विभिन्न भाषाओं का आधार बनती है।

ये उपाय करेंगे मदद

आपके बच्चे द्वारा बनाई जा रही आवाज को आप दोहरा सकते हैं। एक दूसरे की नकल करने का यह खेल आपके बच्चे को बोलने के लिए प्रोत्साहित करेगा। जब वह आपको कॉपी करना शुरू करता है, तो आप उसे नए शब्दों को सिखाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। यह आपके बच्चे को तेजी से बात करने में मदद करेगा। अगर आपका बच्चा थोड़ी बहुत बात करने लगा है, तो उसके लिए उस वाक्य को पूरा करें। वह थोड़ा बोलेगा और आप उसके साथ पूरा बोलेंगे। इस तरह से आपका बच्चा धीरे-धीरे बोलना सीख जाएगा। इसके अलावा म्यूजिक आपके बच्चे के दिमाग की कोशिकाओं को उत्तेजित करती है। बच्चे अक्सर गाना सुनकर सिर हिलाते हैं। ऐसे में आप बच्चे के लिए कोई भी गाना गुनगुना सकते हैं।

बच्चों को बेहतर इंसान बनाने के लिए बचपन में जरुर सिखाएं ये 6 बातें

बच्चों के विषय में नेल्सन मंडेला का कहना था कि 'किसी बच्चे को अच्छे से संभालने के अलावा समाज में कोई काम नहीं हो सकता' ऐसे में अगर आप अपनी पीढ़ी को सफल बनाना चाहते हैं, तो आपको बचपन से उनके व्यक्तित्व पर काम करना होगा। बच्चों को किसी भी समाज का भविष्य कहा जाता है इसलिए आपको उनके व्यक्तित्व को निखारने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए- हार को स्वीकारने की हिम्मत

कुछ लोगों को ये बात अटपटी लग सकती है। भला इस गला-काट प्रतियोगिता के दौर में कोई अपने बच्चे को हारने की सीख क्यों देगा। हर मां-बाप अपने बच्चे को परफेक्ट होने के लिए प्रेरित करते हैं। पर यह कोशिश कई बार बच्चों पर बेहद नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बच्चा परफेक्ट बनने के चक्कर में बेहद घबराया और तनावग्रस्त रहने लगता है। कई बार छोटी सी भी असफलता सहने की ताकत उसमें नहीं बचती और अपने सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करने से पहले ही वह हथियार डाल देता है।

जानवरों से प्यार करना सिखाएं

शोर्ध में ये बात सामने आई है कि जानवरों के प्रति प्रेम रखने वाले बच्चे बेहतर तरीके से विकास कर सकते हैं। साथ ही समाज के प्रति वो काफी संवेदनशील होते हैं इसलिए अपने बच्चों को जानवरों से हिंसा करना नहीं बल्कि उनसे प्रेम करना सिखाएं।

क्रिएटिविटी का विकास

बच्चा के जन्म के साथ ही माता-पिता उसे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएस ऑफिसर वगैरा-वगैरा बनाने के सपने देखने लगते हैं। दुनियादारी सीख रहे बच्चों को सपनों पर उसके मां-बाप के सपने इतने हावी हो जाते हैं कि वह भी जान नहीं पाता कि उसने खुद सपने देखने कब छोड़ दिए। रचनात्मकता का मतलब होता है कुछ ऐसा रचना जो पहले मौजूद नहीं था। यह रचना किसी भी क्षेत्र में हो सकती है, मसलन कला, साहित्य, विज्ञान, खेल कुछ भी। पर रचनात्मकता की पहली शर्त है आजाद कल्पना।

असमानताओं का सम्मान

छोटे बच्चों को खेलते हुए देखें, वे कैसे आपस में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। उनके लिए धर्म, संस्कृति, नस्ल, जाति, अमीर-गरीब होने आदि की असमानताएं मायने नहीं रखती पर धीरे-धीरे उन्हें हम आदमी-आदमी में फर्क करना सिखा देते हैं। जबकि वैज्ञानिकों का भी कहना है कि हमारे 99 प्रतिशत डीएनए समान होते हैं। अगर हम अपने बच्चों को इस 1 प्रतिशत असमानता को सम्मान करना सीखा दें, तो यह दुनिया जीने के लिए एक बेहतरीन जगह बन सकती है। क्योंकि यह असमानताएं ही है युद्ध, दंगे आदि मानवीय त्रासदियों को जन्म देती हैं।हम धरती से अलग नहीं हैं

हम धरती से बने हैं और धरती हमसे है- अगर यह सीख हम अपने बच्चों को दें पाए तो इस ग्रह पर सुकून लौटने की उम्मीद कर सकते हैं। धरती को अपना समझने का अर्थ है इससे जुड़ी हर एक चीज को अपना समझना। जंगल, पहाड़, रेगिस्तान, पेंड़-पौधे, पशु-पक्षी हर किसी को इस धरती का उतना ही मालिक समझना जितना हम खुद को समझते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ किसी यात्रा से हो सकता है। बहुत दिनों से जो काम टल रहे थे, वे गति पकड़ने वाले हैं। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन सारे कार्य हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारियों को लाभ की स्थिति बनेगी। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। इस राशि के कुछ लोगों को नए प्रेम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृषभ : पारिवारिक रिश्तों को लेकर थोड़े सतर्क रहें। लोगों की आपसे काफी अपेक्षाएं हैं इसलिए उन्हें वक्त भी देना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। उत्साह बना रहेगा। जॉब-बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। तरक्की होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी।

मिथुन : धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। बहुत दिनों से किसी कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं वह होने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में किसी नई योजना पर काम शुरू करेंगे। बिजनेस में तरक्की और विस्तार के अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन की संभावना है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बना रहेगा। स्वास्थ्य सुधार पर है।

कर्क : शारीरिक मानसिक से मजबूती वाला रहेगा यह सप्ताह। संतान पक्ष को लेकर कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। उनके कार्यों पर नजर भी रखनी होगी किकोई गलत रात न पकड़ लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन खर्च की स्थिति भी बन रही है।

सिंह : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत शुभ है। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से संबंधित कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने में किसी स्वजन का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ थोड़ा मनमुटाव हो सकता है लेकिन बात बिगड़ने से पहले संभाल लेंगे।

कन्या : अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने बिगड़े हुए काम पटरी पर आने वाले हैं। बिजनेस गति पकड़ेगा और नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। धैर्य और संयम के साथ कोई कार्य करेंगे तो उसमें निश्चित रूप से तरक्की मिलने वाली है। आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ेंगे।

तुला : आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। आभूषण, वस्त्र आदि खरीदेंगे। किसी पारिवारिक समारोह में जाने का अवसर आएगा। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निपटाने की ओर है। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी। बिजनेस के लिए लोन लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : अपने मन को शांत रखें और सोच समझकर निर्णय लें। किसी के बहकावे में आकर या देखादेखी कोई काम न करें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। तरक्की के रास्ते सामने हैं बस जरूरत है उन्हें पहचानने की। किसी भी काम की हड़बड़ी न करें। नौकरी बिजनेस उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य भी इस हफ्ते अच्छा रहेगा।

धनु : आर्थिक प्रबलता आपके पक्ष में हैं। जो भी काम करेंगे उसमें सफलता निश्चित है। इसलिए घबराएं नहीं, खुद पर आत्मविश्वास रखें और आगे बढ़ें। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में विस्तार, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर आएंगे। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना है। पिता या पिता तुल्य व्यक्ति की बात मानें और फॉलो करें।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यों पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : मौज-मस्ती भरा सप्ताह रहेगा। पारिवारिक समागम, मित्रों के साथ घूमने-फिरने का अवसर आएगा। स्वयं का भवन, वाहन खरीदने का योग है। आर्थिक मजबूती रहेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी के बहकावे में आकर काम न करें। कार्य विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग लेना पड़ेगा।

मीन : पद और पैसा प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर आएंगे। कारोबारियों को लाभ और विस्तार के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पर्यटन का अवसर आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

चुटकुले

रिंकी ने पड़ोसन से जूसर मशीन मांगी

पड़ोसन- यहीं आकर यूज कर लो

दूसरे दिन उसी पड़ोसन ने कहा ,जरा अपनी पोछा दे दो...

रिंकी- तुम यहीं आकर यूज कर लो

सोनू और मोनू ट्रेन में बाते कर रहे थे...

सोनू- यह फेसबुक इंसान को बहुत आगे ले जायेगा.

मोनू- वह कैसे ?

सोनू- मुझे ही देख लीजिए. दो स्टेशन पहले उतरना था पर फेसबुक के चक्कर में आगे आ गया...

जान लीजिए अगले महीने से बदलने वाले टीडीएस के नियम, वरना हो सकती है बड़ी परेशानी!

New TDS Rules: फाइनेंस एक्ट 2021 के लागू होने के बाद टीडीएस में कुछ जरूरी बदलाव (TDS Rules Changing From 1st July) किए गए हैं। ये बदलाव नया सामान खरीदने (TDS Rules for goods purchase) और आईटीआर फाइल (TDS Rules for non itr filers) नहीं करने वालों से जुड़े हैं। 1 जुलाई से ये नए बदलाव प्रभावी हो जाएंगे। सामान खरीदने के टीडीएस से जुड़े नियम बदलेंगे और साथ ही आईटीआर फाइल नहीं करने वालों पर पहले से अधिक जुर्माना लगाया जाएगा। आइए जानते हैं 1 जुलाई से क्या-क्या बदलेगा।

सामान की खरीद लगने वाला टीडीएस

हाल ही में सेक्शन 194Q जोड़ा गया है। यह सेक्शन किसी सामान को खरीदने के लिए पहले से ही तय कीमत के भुगतान पर लगने वाले टीडीएस से जुड़ा हुआ है। इसके तहत 50 लाख रुपये से ऊपर की कारोबारी खरीद पर 0.10 फीसदी टीडीएस काटा जाएगा। अगर पिछले साल किसी कारोबारी का टर्नओनर 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक रहा है तो इस साल वह 50 लाख से ऊपर का माल खरीदेगा। 50 लाख रुपये से ऊपर की जितनी भी बिक्री होगी, उस पर 0.10 फीसदी टीडीएस कटेगा।

आईटीआर फाइल नहीं करने पर बढ़ा जुर्माना

1 जुलाई से 206एबी सेक्शन भी प्रभाव में आ जाएगा। इसके तहत अगर विक्रेता ने दो साल तक आयकर रिटर्न फाइल नहीं किया तो यह टीडीएस 5 फीसदी हो जाएगा। यानी पहले जो टीडीएस सिर्फ 0.10 था, उसके 5 फीसदी होने का मतलब है कि टीडीएस की दर 50 गुना बढ़ जाएगी। अगर पिछले वित्त वर्ष में टीसीएस

(टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) 50 हजार रुपये से ज्यादा है तो भी टीडीएस कटौती 5 फीसदी की दर के की जाएगी।

आधार-पैन लिंक कराना ना भूलें

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्होंने आधार को पैन से लिंक नहीं किया है तो आपको बड़ी दिक्कत होने वाली है। 31 मार्च को सीबीडीटी ने आधार और पैन को लिंक करने की आखिरी तारीख को 30 जून तक बढ़ाया था। हालांकि, टैक्स डिपार्टमेंट के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ये आखिरी बार है जब लिंकिंग की तारीख बढ़ाई गई है। अभी भी जो लोग आधार-पैन लिंक नहीं करवाएंगे, उन पर भारी-भरकम जुर्माना लगाने की तैयारी की जा रही है।

ऐसे करें स्टेटस चेक

www.incometaxindiaefiling.gov.in पर जाएं।

लेफ्ट साइड (बायीं ओर) में क्विक लिंक्स में 'लिंक आधार' (Link Aadhaar) पर क्लिक करें।

अब एक नया पेज खुलेगा। इसमें सबसे ऊपर PAN - आधार लिंकिंग का स्टेटस जानने के लिए 'क्लिक हीयर' लिखा आएगा। यह एक हाइपरलिंक है।

हाइपरलिंक पर क्लिक करने पर आप एक अन्य नए पेज पर पहुंच जाएंगे। यहां अपना PAN और आधार नंबर डालकर 'व्यू लिंक आधार स्टेटस' पर क्लिक करें। इसके बाद आपके सामने लिंकिंग का स्टेटस आ जाएगा।

आधार-पैन लिंक करने का ये है तरीका

अगर आपने अभी तक अपने PAN को आधार से लिंक नहीं किया है तो SMS औरऑनलाइन तरीके से तुरंत ऐसा किया जा सकता है। यहां यह जान लेना जरूरी है कि PAN और आधार की लिंकिंग के लिए दोनों डॉक्युमेंट्स में डेमोग्राफिक डिटेल्स जैसे नाम, लिंग और जन्मतिथि में कोई अंतर न हो। अगर ऐसा है तो लिंकिंग कैंसिल हो सकती है। अगर SMS के माध्यम से पैन-आधार लिंक कराना चाहते हैं तो UIDPAN <SPACE>12 अंकों का आधार नंबर><SPACE><10 अंकों का PAN> लिखकर 567678 या 56161 पर मैसेज करना होगा। उदाहरण के लिए, UIDPAN 111122223333 AAAPA9999Q

ऐसे ऑनलाइन लिंक करें आधार-पैन

https://www.incometaxindiaefiling.gov.in/home पर जाएं।बायीं तरफ मौजूद क्विक लिंक्स सेक्शन में 'Link Aadhar' पर क्लिक करें।

अब जो पेज खुलेगा, उसमें PAN, आधार नंबर और आधार पर मौजूद अपना नाम भरना है।

अगर आपके आधार में केवल जन्म का वर्ष अंकित है तो आपको इस विकल्प पर टिक लगाना होगा- 'I have only year of birth in Aadhaar card'।

इसके बाद कैप्चा कोड डालें और लिंक आधार पर क्लिक करें।

इसके बाद एक कन्फर्मेशन पेज खुलेगा, जिसमें शो होगा कि PAN, आधार से सफलतापूर्वक लिंक हो चुका है।

ऑफलाइन भी है तरीका

PAN सर्विस प्रोवाइडर, NSDL या UTIITSL के सर्विस सेंटर पर जाकर भी PAN और आधार को लिंक कराया जा सकता है। इसके लिए फॉर्म 'Annexure-I' भरना होगा और कुछ सहायक दस्तावेज जैसे-PAN कार्ड और आधार कार्ड की कॉपी साथ ले जानी होगी। यह प्रक्रिया निशुल्क नहीं है। आपको एक निर्धारित शुल्क देना होगा। यह शुल्क, लिंकिंग के समय PAN या आधार डिटेल में सुधार किया गया है या नहीं, इस पर निर्भर करेगा।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सस्ते दामों में प्लॉट दिलाने का वादा कर 50 करोड़ की ठगी

लखनऊ, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर क्वेडा एक्सप्रेस सिटी नाम से जमीन दिलवाने के नाम पर सैकड़ों लोगों से 50 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। रायबरेली जनपद के रहने वाले एक पीड़ित ने कंपनी के खिलाफ बुधवार को लखनऊ के विभूतिखंड थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। विभूतिखंड पुलिस ने शुक्रवार को कंपनी के पांच अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि कंपनी के डायरेक्टर सहित 6 लोग अभी फरार हैं। पुलिस बाकियों की तलाश में जुटी है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चार लैपटॉप, जमीन से संबंधित दस्तोवज, तीन लग्जरी कार, 18 रबर की मोहरें, स्वाइप मशीन, एटीएम कार्ड और अन्य सामान बरामद किया।सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लोगों को फंसाया

एडीसीपी पूर्वी कासिम आब्दी ने बताया कि रायबरेली जनपद निवासी प्रदीप कुमार को कुछ समय पहले फेसबुक के माध्यम से विभूतिखंड विनम्रखंड स्थित क्वेडा कंपनी के बारे में पता चला था। विज्ञापन में दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर उनको पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सस्ते दाम में प्लॉट दिलवाने की बात कही गई। इसके बाद वह कंपनी के दफ्तर पहुंचे। कंपनी के लोग उनको पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे लेकर गए और वह पर क्वेडा एक्सप्रेस सिटी की साइट दिखाई। इसके बाद कंपनी के लोगों ने पीड़ित से प्लॉट के नाम पर दो लाख रुपये नकद और 30 हजार रुपये चेक के माध्यम से ऐंठ लिए।

एक हफ्ते के बाद ठगी का पता चला पीड़ित का कहना है कि रुपये देने के बाद उन्होंने जब कंपनी के लोगों से प्लॉटिंग की साइट का नक्शा और अन्य जानकारी मांगी तो वह लोग टालमटोल करने लगे। इतना ही नहीं कंपनी के लोग बार-बार पीड़ित पर जमीन की 75 प्रतिशत कीमत जमा करने के लिए दबाव डालने लगे। इस बात पर पीड़ित को कुछ शक हुआ। उन्होंने अपने स्तर से जब छानबीन की तो पता चला कि उक्त कंपनी जमीन के नाम पर कई लोगों से ठगी कर चुकी है। इस पर पीड़ित ने अपने दिए गए रुपये वापस मांगे तो कंपनी के लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए कंपनी के दफ्तर से भगा दिया। पीड़ित ने बुधवार को दर्ज करवाई रिपोर्ट, पांच गिरफ्तार अपने साथ हुई इस ठगी के संबंध में पीड़ित ने बुधवार को विभूतिखंड थाने में कंपनी के डायरेक्टर रेख चंद्र मौर्य, रमा यादव, अनिल यादव, मीनाक्षी तिवारी, पूनम तिवारी, आनंद मौर्य, रजनीश मौर्य, अरुणेश प्रताप सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

असम में देर रात आया 4.2 तीव्रता का भूकंप का झटका, पूर्वोत्तर में 24 घंटे में चौथा झटका

तेजपुर, असम में शनिवार आधी रात के बाद 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जान-माल के किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। पूर्वोत्तर के क्षेत्र में 24 घंटे के दौरान यह भूकंप का चौथा झटका रहा। असम में देर रात एक बजकर 7 मिनट पर आए भूकंप का केंद्र तेजपुर से 39 किलोमीटर पश्चिम में जमीन से 30 किलोमीटर की गहराई में रहा। एक दिन पहले ही यहीं सोनितपुर में 4.1 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र तेजपुर से 36 किलोमीटर उत्तर पश्चिम की तरफ जमीन से 22 किलोमीटर की गहराई में रहा।

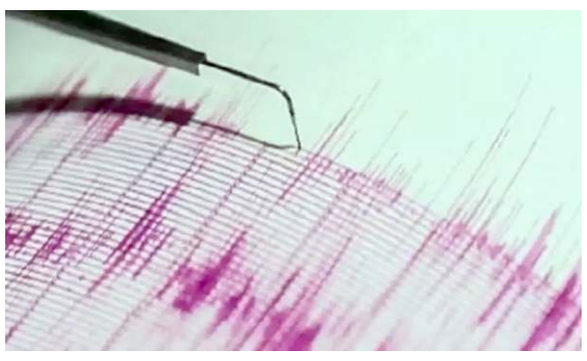

इससे पहले पूर्वोत्तर में एक के बाद एक तीन झटके महसूस किए गए थे। मणिपुर के चंदेल इलाके में आधी रात के बाद एक बजकर 6 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3 मापी गई। इसका केंद्र मोइरांग से 39 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में म्यांमार की सीमा के पास जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में रहा। इसके करीब एक घंटे के बाद 2 बजकर 4 मिनट पर असम के सोनितपुर में 4.1 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र तेजपुर से 36 किलोमीटर उत्तर पश्चिम की तरफ जमीन से 22 किलोमीटर की गहराई में रहा। वहीं 2.6 तीव्रता का तीसरा झटका मेघालय के वेस्ट खासी हिल्स में 4 बजकर 20 मिनट पर आया।

जम्मू-कश्मीर पर महामंथन-विपक्षी नेताओं से मिल सकते हैं PM मोदी, महबूबा मुफ्ती बोलीं- फोन आया है, लेकिन नहीं लिया कोई फैसला

नई दिल्ली, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने सहित राजनीतिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने की केंद्र की पहल के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जून को वहां के सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। यह बैठक केंद्र द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को निरस्त करने और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन करने की घोषणा के बाद से इस तरह की पहली कवायद होगी। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय नेताओं के भाग लेने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी (जेकेएपी) के अल्ताफ बुखारी

और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन को चर्चा के लिए आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्र के साथ बातचीत की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, माकपा नेता और पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) के प्रवक्ता एम वाई तारिगामी ने कहा कि नयी दिल्ली से कोई संदेश नहीं आया है, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो इसका स्वागत किया जाएगा। तारिगामी ने श्रीनगर से कहा कि हमने केंद्र के साथ सार्थक जुड़ाव के लिए अपने दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं। हालांकि मुझे किसी बातचीत के बारे में कोई जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है, तो इसका स्वागत किया जाएगा। पीएजीडी जम्मू कश्मीर में कुछ पार्टियों का गठबंधन है, जिसमें नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी शामिल हैं, जो केंद्र के अगस्त 2019 के फैसलों के बाद बनाया गया था। भाजपा और कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाइयों के भी इन चर्चाओं का हिस्सा होने की संभावना है, जिन्हें केंद्र शासित प्रदेश में सामान्य राजनीतिक प्रक्रियाओं को मजबूत करने के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

बंगाल में अब भाजपा में मची भगदड़, TMC में हुई 300 BJP वर्कर्स की वापसी, गंगाजल से हुआ शुद्धीकरण

बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले जहां ममता की टीएमसी में भगदड़ मची हुई थी, वहीं अब उलटा भाजपा के साथ हो रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी की फिर से सरकार बनते ही टीएमसी छोड़ भाजपा में गए नेताओं और कार्यकर्ताओं की घर वापसी शुरू हो गई है। मुकुल रॉय की घर वापसी के बाद न सिर्फ कई नेता कतार में हैं, बल्कि अब ग्राउंड लेवल के भाजपा कार्यकर्ता भी टीएमसी में लौटने लगे हैं। लेटेस्ट घटनाक्रम में बंगाल के बीरभूम जिले में एक साथ 300 भाजपा कार्यकर्ता शुक्रवार को टीएमसी में वापस लौटे। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, बीरभूम में तृणमूल कांग्रेस

कार्यालय के सामने कम से कम 300 भाजपा समर्थक भूख हड़ताल पर बैठे थे। उनकी मांग थी कि उन्हें टीएमसी में वापस लिया जाए। हालांकि, बाद में उन सभी को टीएमसी में शामिल कराया गया और गंगाजल छिड़क कर उनके दिमाग का शुद्धीकरण किया गया। बीजेपी कार्यकर्ताओं का यह भूख हड़ताल सुबह 8 बजे शुरू हुआ और यह तीन घंटे तक 11 बजे तक चला। इन्हें टीएमसी में शामिल कराने के वक्त गंगाजल से शुद्ध किया गया। दरअसल, टीएमसी में शामिल होने की जिद पर भूख हड़ताल पर बैठे बीजेपी वर्कर्स में से एक अशोक मंडल ने कहा कि हम चाहते हैं कि टीएमसी में हमें वापस ले लिया जाए। हमने अपने गांव के विकास को रोक दिया है। भाजपा में शामिल होने से हमें फायदा के बदले नुकसान हुआ। हम अपनी इच्छा से दोबारा वापस आना चाहते हैं। हमें जब तक वापस नहीं लिया जाता, तब क हम धरने पर बैठे रहेंगे। इन तीन सौ कार्यकर्ताओं को टीएमसी का झंडा सौंपने वाले बानाग्राम के तृणमूल पंचायत प्रधान तुषार कांति मंडल ने कहा कि ये लोग पिछले कुछ दिनों से हमारी पार्टी में शामिल होने का अनुरोध कर रहे थे। आज वे पार्टी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए और वापस लेने की अपील की।

सपा नेता उमेद पहलवान दिल्ली से गिरफ्तार, बुजुर्ग से मारपीट को लेकर किया था फेसबुक लाइव

गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में कथित तौर पर एक बुजुर्ग के साथ मारपीट मामले में भ्रामक तरीके से फेसबुक लाइव करने के आरोपी सपा नेता उमेद पहलवान को गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कई दिन से उसकी तलाश कर रही थी।

पुलिस ने बताया कि उसे दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मोबाइल लोकेशन के आधार पर शनिवार सुबह आरोपी के दिल्ली में होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आज उसे दबोच लिया। पुलिस आरोपी को लेकर थोड़ी देर में गाजियाबाद पहुंच रही है। जानकारी के अनुसार, मारपीट और अभद्रता के शिकार बुजुर्ग अब्दुल समद और उनके दोनों बेटों को लेकर गाजियाबाद निवासी उमेद पहलवान गायब हो गया था। परिजनों के अनुसार, उमेद पहलवान अब्दुल समद और उनके दोनों बेटों को लेकर दिल्ली जाने की बात कहकर निकला था। माना जाता है कि पुलिस का शिकंजा कसने के साथ ही वह बचता फिर रहा था।

उधर, सुरक्षा की दृष्टि से शुक्रवार को भी अब्दुल समद के घर पर पुलिस पिकेट तैनात रहा। वहीं, अनूपशहर पुलिस महामारी अधिनियम के मुकदमे में अज्ञात 100 लोगों को चिह्नित करने के लिए सभा का वीडियो खंगाल रही है।

गौरतलब है कि 5 जून को लोनी क्षेत्र में अनूपशहर के मोहल्ला मीरा निवासी अब्दुल समद के साथ मारपीट हुई थी। पीड़ित पक्ष के अनुसार, 5 जून को अब्दुल समद सैफी (72) अपने किसी रिश्तेदार से मिलने के लिए गाजियाबाद गए थे। वहां से एक ऑटो में सवार हुए, जिसमें चार युवक सवार थे। आरोप है कि युवकों ने अब्दुल समद के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट की। गाजियाबाद पुलिस द्वारा ताबीज बनाकर देने के बाद हुए विवाद के चलते अब्दुल समद के साथ मारपीट किए जाने की बात कहते हुए अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सभा करने पर दर्ज हुआ था केस : उमेद पहलवान ने अब्दुल समद के साथ बुधवार की रात अनूपशहर पहुंचकर उसके मोहल्ले में सभा का आयोजन किया और उसे फेसबुक लाइव किया। अनूपशहर पुलिस ने उमेद, ताजुद्दीन , फिरोज मेवाती, आलम और जावेद सहित 90-100 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। रिपोर्ट दर्ज होने के साथ ही उमेद पहलवान अपने साथ अब्दुल समद और उसके दोनों पुत्रों को लेकर दिल्ली जाने की कहते हुए अनूपशहर से निकल गया। बीते करीब 24 घंटे से उम्मेद पहलवान के साथ अब्दुल समद और उसके दोनों पुत्र भूमिगत हैं। अनूपशहर का

मोहल्ला मीरा सुनसान है।

SPORTS खेल जगत

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में क्या भारत को प्लेइंग XI में करना चाहिए बदलाव, जानें डेल स्टेन का जवाब

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैपियनशिप का फाइनल मुकाबला साउथैम्पटन के एजिस बाउल मैदान पर खेला जा रहा है। झमाझम बारिश के चलते टेस्ट के पहले दिन खेल संभव नहीं हो सका और न ही दोनों कप्तान टॉस के लिए मैदान पर उतरे। साउथैम्पटन के मौसम को देखते हुए यह कहा जा रहा है कप्तान विराट कोहली प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने पर विचार कर सकते हैं। इसी बीच, साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में बदलाव करने का फैसला पूरी तरह से भारतीय टीम के ऊपर है। उन्होंने कहा कि अगर कोहली चाहे तो टीम में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल कर सकते हैं। ईएसपीयन क्रिकइंफो के साथ बातचीत करते हुए स्टेन ने कहा, 'मुझे पसंद आया जो उन्होंने किया है। वह आगे आए और उन्होंने पूरी विश्व को बताया कि यह हमारी टीम है जिसके साथ हम मैदान पर उतरने वाले हैं। अच्छी बात यह है कि अगर उनको टीम में बदलाव करना है तो सिर्फ टॉस के समय पर टीम सीट को हैंडओवर करना होगा। अगर वह एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को टीम में लाना चाहते हैं तो ऐसा करने के लिए उनका स्वागत है। वह शायद ऐसा कर सकते हैं, लेकिन मुझे पसंद आया जो उन्होंने किया।' स्टेन ने आगे कहा, 'इससे खिलाड़ियों को खुद को तैयार करने में मदद मिलती है और सामने वाली टीम को पता लगता है कि यह टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने ट्रेनिंग की है। उनको इस टेस्ट मैच में कैसे खेलना है इसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। मुझे इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन, अगर वह टीम में चेंज करना चाहते हैं तो वह ऐसा कर सकते हैं क्योंकि अभी टॉस नहीं हुआ है।' भारतीय टीम ने गुरुवार को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अपने प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया था। टीम में ईशांत शर्मा को जगह दी गई है, जबकि रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की स्पिन जोड़ी को भी शामिल किया गया है।

क्या प्लेइंग इलेवन घोषित करने के बाद बदलाव कर सकता है भारत, जानें क्या कहते हैं नियम

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला साउथैम्पटन के एजिस बाउल मैदान में खेला जा रहा है। टेस्ट के पहले दिन जमकर हुई बरसात की वजह से एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और ना ही दोनों कप्तान टॉस के लिए मैदान पर उतर सके। डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए भारतीय टीम ने अपने प्लेइंग इलेवन का ऐलान गुरुवार (17 जून) को ही कर दिया था। हालांकि, साउथैम्पटन में बदले मौसम को देखते हुए ऐसा कहा जा रहा है कि विराट कोहली प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं। ऐसे में तमाम क्रिकेट फैन्स के मन में यह सवाल उठा रहा है कि क्या आईसीसी के नियमों के हिसाब से प्लेइंग इलेवन घोषित किए जाने के बाद उसमें बदलाव संभव है? आइए जानते हैं क्या कहते हैं नियम.. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के नियमों के हिसाब से कोई भी टीम किसी भी फॉर्मेट में टॉस होने से पहले अपने प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। यानि विराट अगर चाहे तो न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी के फाइनल में टॉस के समय पर टीम में बदलाव कर सकते हैं। टेस्ट का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया था। भारत ने अपने प्लेइंग इलेवन में तीन तेज गेंदबाजों को शामिल किया है, जबकि रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की स्पिन जोड़ी पर भरोसा दिखाया है। मोहम्मद सिराज के ऊपर ईशांत शर्मा के अनुभव को तरजीह दी गई है। हालांकि, विराट कोहली ने साफ किया था कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टीम का चयन सोच समझ के किया गया है। उन्होंने कहा था, 'नहीं, एक टीम के तौर पर हमारे दृष्टिकोण से इससे कुछ भी चेंज नहीं होगा। हम अपनी तरफ से सारे बेस को कवर करना चाहते हैं और हमारा ध्यान इस बात पर है कि हम मैदान पर अपनी सबसे मजबूत टीम को उतारे। इससे हमको बैटिंग में भी गहराई मिलेगी और इसके साथ ही हमारे पास गेंदबाजी में भी पर्याप्त ऑप्शन रहेंगे। तो हम इस बात को लेकर क्लियर हैं कि हमें क्या करना है।'

डीन एल्गर-क्विंटन डिकॉक ने संभाली दक्षिण अफ्रीका को संभाला, पहले दिन टीम का स्कोर 218-5

डीन एल्गर के 77 रन की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पांच विकेट पर 218 रन बनाए। एल्गर ने क्विंटन डिकॉक के साथ 79 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को संकट से निकाला। एक समय पर दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 37 रन पर गिर गए थे। पहले टेस्ट में नाबाद 141 रन बनाने वाले डिकॉक ने नाबाद 58 रन बनाए। पहले दिन के तीसरे सेशन में खराब रोशनी के कारण खेल जल्दी समाप्त करना पड़ा। उस समय वियान मूल्डर दूसरे छोर पर दो रन बनाकर खेल रहे थे। एल्गर ने बतौर कप्तान अपना पहला अर्धशतक 147 गेंद में पूरा किया। उन्हें काइल मेयर्स ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर बोल्ड किया। दूसरी ओर डिकॉक ने अपना 22वां टेस्ट अर्धशतक 89 गेंद में पूरा किया। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने इस मैच में बेहद अनुशासनहीन गेंदबाजी की और 82 ओवरों के खेल में 42 रन एक्स्ट्रा के तौर पर दे दिए।

बांग्लादेश के इस क्रिकेटर ने फील्डर पर किया ईंट से हमला, गाली भी दी, बोर्ड ने लगाया बड़ा जुर्माना

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने लीजेंड्स ऑफ रूपगंज के क्रिकेटर शब्बीर रहमान और शेख जमाल धनमंडी क्लब के मैनेजर सुल्तान महमूद पर गुरुवार को डीपीएल (ढाका प्रीमियर लीग) मुकाबले के दौरान नस्लीय टिप्पणी करने के लिए 50 हजार बांग्लादेशी टके का जुर्माना लगाया है। दरअसल शेख जमाल ने बुधवार को ढाका में विभिन्न क्लब आधारित टूर्नामेंटों का आयोजन करने वाली बीसीबी विंग ढाका महानगर क्रिकेट समिति (लसीसीडीएम) को एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शब्बीर के खिलाफ उनके खिलाड़ी इलायस सनी के प्रति नस्लीय टिप्पणी की बात कही गई थी। बीसीबी ने गुरुवार को एक के माध्यम से जानकारी दी कि सीसीडीएम की तकनीकी समिति ने आज इस मामले में शामिल खिलाड़ियों, क्लब अधिकारी और मैच अधिकारियों के साथ वचुर्अल सुनवाई की और शब्बीर और सुल्तान पर जुर्माना लगाने का फैसला किया। साथ ही इलायस को चेतावनी भी जारी की। बीसीबी के मुताबिक शब्बीर पर बांग्लादेश क्रीड़ा शिखा प्रतिष्ठान (बीकेएसपी) 3 में ओल्ड डीओएचएस क्लब के खिलाफ मैच के दौरान इलायस की ओर बिना किसी कारण के मैदान के बाहर से ईंटें फेंकने और उनके प्रति अभद्र और नस्लीय भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया था।

देश परदेश

सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनने से कमजोर हुई बच्चों की इम्युनिटी, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

इंग्लैंड के विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क के इस्तेमाल से भले ही कई लोगों की जान बच गई हो, लेकिन इससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार पिछले 15 महीनों से बच्चों का वायरल जैसी बीमारियों से कोई बड़ा सामना नहीं हुआ है, जिससे मौसमी फ्लू होता है। इन रोगाणुओं के संपर्क में न आने के कारण उनके शरीर में इनके प्रति रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं बन पाई है। द गार्डियन में छपी रिपोर्ट के अनुसार वायरोलॉजिस्ट रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस (RSV) के बारे में भी चिंतित हैं, एक वायरस जो एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों में गंभीर फेफड़ों के संक्रमण और कभी-कभी मौत भी पैदा करता है।

इसके लिए अभी तक कोई टीका भी नहीं है। विशेषज्ञों ने कहा कि प्री-कोविड दिनों में, अस्पतालों में आने वाले वाले अधिकतर छोटे बच्चों की बीमारी के पीछे सबसे बड़ा कारण आरएसवी होता था। रिपोर्ट में पब्लिक हेल्थ वेल्स के साथ जुड़ीं डॉ कैथरीन मूरे कहती हैं कि महामारी से पहले 18 महीने की उम्र तक बच्चों का लगभग सभी सीजनल वायरसों के साथ वास्ता पड़ जाता था, लेकिन अब ऐहतियातों के चलते ऐसा नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि फ्लू मुझे चिंतित करता है, लेकिन एक टीका है और इसलिए सबसे कमजोर लोगों के पास अभी भी टीकों तक पहुंच होगी। रिपोर्ट के अनुसार,

महामारी से पहले आरएसवी की वजह से यूनाइटेड किंगडम में सालाना 30,000 से अधिक शिशुओं और पांच साल से कम उम्र के बच्चों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

मूर ने कहा,

हमारे पास अब ऐसे बच्चों के दो समूह हैं जो कभी वायरस से नहीं मिले हैं, इसलिए वे अतिसंवेदनशील हैं। वहीं, नॉटिंघम विश्वविद्यालय के वायरोलॉजी के प्रोफेसर विलियम इरविंग ने इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि हमने पिछली सर्दियों में फ्लू नहीं देखा था, इसलिए यदि यह आने वाली सर्दियों में वापस आता है, तो यह बहुत बुरा रूप धारण कर सकता है।

ईरान के नए राष्ट्रपति बनें इब्राहिम रईसी, इतिहास की सबसे कम वोटिंग में हासिल हुई जीत

ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव में देश के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के कट्टर समर्थक और कट्टरपंथी न्यायपालिका प्रमुख इब्राहीम रईसी ने शनिवार को बड़े अंतर से जीत हासिल की। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में देश के इतिहास में इस बार सबसे कम मतदान हुआ। रईसी अगस्त महीने में हसन रूहानी की जगह लेंगे। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, रईसी ने एक करोड़ 78 लाख मत हासिल किए। चुनावी दौड़ में एकमात्र उदारवादी उम्मीदवार अब्दुलनासिर हेम्माती बहुत पीछे रहे गए। बहरहाल, खामेनेई ने रईसी के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी को अयोग्य करार दे दिया था, जिसके बाद न्यायपालिका प्रमुख ने यह बड़ी जीत हासिल की। सन् 1960 में ईरान के मशहद में जन्में रईसी बहुत कम उम्र से ही न्याय व्यवस्था का हिस्सा रहे हैं। 1979 में इस्लामिक क्रांति का हिस्सा रहे रईसी को उस वक्त तेहरान के पड़ोसी राज्य कराज का प्रॉसिक्यूटर जनरल बनाया गया था। उदारवादी उम्मीदवार एवं 'सेंट्रल बैंक के पूर्व प्रमुख हेम्माती और पूर्व रेवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर मोहसिन रेजाई ने रायसी को बधाई दी। सरकार से संबद्ध ओपिनियन पोल और विश्लेषकों ने रायसी को पद के लिये दावेदारी जता रहे चार उम्मीदवारों में से सबसे प्रबल करार दिया है। रायसी की जीत की आधिकारिक घोषणा के बाद वह पहले ईरानी राष्ट्रपति होंगे जिन पर पदभार संभालने से पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है। उनपर यह प्रतिबंध 1988 में राजनीतिक कैदियों की सामूहिक हत्या के लिये तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना झेलने वाली ईरानी न्यायपालिका के मुखिया के तौर पर लगाया गया था। चुनाव में किसी उम्मीदवार का शुरुआत में ही हार स्वीकार कर लेना ईरान के चुनावों में कोई नई बात नहीं है। यह बात का संकेत देता है कि सावधानी से नियंत्रित किए गए इस मतदान में रायसी ने जीत हासिल की है। कुछ लोगों ने इन चुनावों का बहिष्कार किया है। इस बार मतदान प्रतिशत 2017 के पिछले राष्ट्रपति चुनाव के मुकाबले काफी नीचे लग रहा है। हेम्माती ने शनिवार तड़के इंस्टाग्राम के माध्यम से रायसी को बधाई दी और लिखा, "मुझे आशा है कि आपका प्रशासन ईरान के इस्लामी गणराज्य को गर्व करने का कारण प्रदान करेगा, महान राष्ट्र ईरान के कल्याण के साथ जीवन और अर्थव्यवस्था में सुधार करेगा। रेजाई ने मतदान में हिस्सा लेने के लिए खामेनेई और ईरानी लोगों की ट्वीट करके प्रशंसा की। रेजाई ने लिखा, "मेरे आदरणीय भाई आयतुल्ला डॉ. सैयद इब्राहीम रायसी का निर्णायक चयन देश की समस्याओं को हल करने के लिए एक मजबूत और लोकप्रिय सरकार की स्थापना का वादा करता है। रायसी की जीत से ईरान सरकार पर कट्टरपंथियों की पकड़ और मजबूत होगी और यह ऐसे समय में होगा, जब ईरान के पटरी से उतर चुके परमाणु करार को बचाने की कोशिश के तहत विश्व शक्तियों के साथ वियना में वार्ता जारी है। ईरान फिलहाल यूरेनियम का बड़े स्तर पर संवर्धन कर रहा है। इसे लेकर अमेरिका और इजराइल के साथ उसका तनाव काफी बढ़ा हुआ है। माना जाता है कि इन दोनों देशों ने ईरानी परमाणु केंद्रों पर कई हमले किये और दशकों पहले उसके सैन्य परमाणु कार्यक्रम को बनाने वाले वैज्ञानिक की हत्या करवाई।

चनप्रीत सिंह की 21 कविताओं का संग्रह 'एक अकेला पेड़' का विमोचन मुंबई में हुआ

मुंबई। अभिनेता, कवि और लेखक चनप्रीत सिंह की 21 कविताओं का संग्रह 'एक अकेला पेड़' का विमोचन शुक्रवार 18 जून 2021 को यारी रोड, अँधेरी (वेस्ट),मुंबई में किया गया। इस काव्य-संग्रह का विमोचन इससे पहले अमेरिका में किया गया था। चनप्रीत सिंह अमेरिका में कैलिफ़ोर्निया के रहने वाले हैं। वे अपनी कविताएँ सैन फ्रांसिस्को में आयोजित कवि-सम्मेलनों में पढ़ते रहे हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी चनप्रीत सिंह ने अमेरिका और भारत में विभिन्न नाटकों और फ़िल्मों में काम भी किया है। 'एक अकेला पेड़' काव्य-संग्रह को ' राइटर्सग्राम' पब्लिकेशन द्वारा हिंदी में प्रकाशित किया गया है, जोकि 135 पृष्ठ का है और इसकी कीमत 225 रुपये रखी गयी है। यह अमेज़ान जैसी सभी बड़ी ई-कॉमर्स वेब साइट पर उपलब्ध है। जीवन के सभी पहलुओं को 'एक अकेला पेड़' में कविताओं के माध्यम से बड़े आकर्षक और अनोखे तरीके से प्रस्तुत किया गया है। जीवन व मृत्यु जुड़ी छोटी और बड़ी घटनाओं को कविता के माध्यम से जीवन के पूरे उतर-चढ़ाव को दर्शाया गया है। सिंह की कविताए व्यक्ति राष्ट्रवाद, मानवता, एकता, भाईचारा, महिला-सशक्तिकरण और जीवन के अर्थ जैसे चीजों को बड़ी संवेदनशीलता से बताती है। इस कविता संग्रह की कविताएँ जैसे कि ,'बँटवारा','हठ','क्षमता से जंग' और 'आखरी दम' इत्यादि दिल को छू लेती हैं।

सभी को 'एक अकेला पेड़' कविता पढ़नी चाहिए। इसकी सादगी हर इंसान के मन को छू जाती है। यह हमें सिखाती है कि एक साधारण जीवन असाधारण सोच के साथ कैसे जीया जाये? पुस्तक में चनप्रीत सिंह द्वारा बनाई गई कुछ तस्वीरें भी हैं। जो कविताओं जीवंत करती है और इन कविताओं को और रसमय बना देती है।

कवि चनप्रीत सिंह अपनी कविताओं की पुस्तक 'एक अकेला पेड़' के बारे में कहते हैं,"सफलता में जितना योगदान हुनर और परिश्रम का होता है, उतना ही आत्मविश्वास का भी होता है।

आपके आसपास का माहौल जैसे कि परिवार, दोस्त और करीबी रिश्तेदार आपका हौंसला बढ़ा कर आपके आत्मविश्वास को और मज़बूत बना सकते हैं या फिर नकार कर उसे अत्यधिक हानि भी पहुँचा सकते हैं। शायद इसीलिए संगत का चुनाव महत्वपूर्ण माना जाता है। इस विषय में मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूँ। इस कविता माला की शुरुआत मैंने २ वर्ष पहले की थी। तबसे मेरे परिवार और करीबी मित्रों ने निरंतर मेरा हौंसला बढ़ाया है। इसके लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूँ। इस माला

की शुरुआत एक नाटक के पूर्वाभ्यास के दौरान हुई, जिसमें मैं एक मूल किरदार निभा रहा था। फिर एक से दो, दो से तीन और तीन से चार करते कविता लिखने और सुनाने का सिलसिला नियमित रूप से चल पड़ा। इस माला में मैंने २१ कविताएँ, उनसे सम्बंधित कुछ गद्य और चित्र शामिल किए हैं। अब कला किसी भी रूप में हो - कहानी, कविता, आकृति, चित्र, संगीत या फिर गीत वह समय और आसपास के समाज को कलाकार के दृष्टिकोण से दर्शा सकती है। मेरी रचनाएँ भी शायद कुछ ऐसा करें। आख़िर मैं भी तो इस समाज का ही हिस्सा हूँ। पर मेरा मक़सद किसी को उपदेश देना नहीं हैं। मैं तो केवल कविता का रस लेते अपनी बात कहता हूँ। मुझे इन कविताओं को लिखने में बहुत आनंद आया है। मुझे आशा है की आपको इन्हें पढ़ने में वैसा ही आनंद प्राप्त होगा।"

चनप्रीत सिंह ने फिल्म 'साउंड्स ऑफ साइलेंस' में अभिनय किया है, जो एक पीटीसी की पंजाबी फिल्म है। उन्होंने 'रूमर्स', 'राशोमोन','दी पार्टिंग','स्टेट ऑफ़ डेनियल एंड रोड्स','मुआवज़े' जैसे नाटकों में मुख्य किरदार निभाया है। वे 'नाटक थिएटर ग्रुप',' एनक्टे आर्ट इंक' व ' बेड कंपनी' इत्यादि थिएटर ग्रुप्स से जुड़े रहे हैं।और वे एक प्रतिष्ठित व बड़ी कंसल्टिंग फर्म में 'सीनियर एक्जीक्युटिव' के तौर पर काम करते हैं और विभिन्न सोसल मिडिया पर काफी एक्टिव हैं।

ऐश का एंकर को जवाब

पूर्व विश्व सुंदरी एवं बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। ऐश को जब भी मौका मिला, उन्होंने हिंदुस्थान का नाम रोशन किया है। इसी बीच ऐश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। इस वीडियो में वह हिंदुस्थानी संस्कृति का मजाक उड़ाने वाले एंकर को मुंहतोड़ जवाब दे रही हैं। वायरल हो रहा ये वीडियो इंटरनेशनल चैट शो का है। वह इस चैट शो में डेविड लेटरमैन के साथ इंटरव्यू में नजर आ रही हैं। शो में ऐश्वर्या बतौर गेस्ट पहुंची थीं। शो में डेविट लेटरमैन ने ऐश्वर्या राय से पूछा 'क्या ये सच है कि वह अभी भी अपने माता-पिता के साथ रहती हैं?' जवाब में ऐश्वर्या ने कहा- 'हां।' इसके तुरंत बाद डेविड ने मजाक उड़ाते हुए कहा-

'क्या हिंदुस्थान में बड़े होने के बाद भी अपने माता-पिता के साथ रहना बहुत साधारण बात है?' इस पर ऐश्वर्या जवाब देते हुए कहती हैं- 'भारतीयों का अपने माता-पिता के साथ रहना बहुत आम बात है क्योंकि हमें डिनर या लंच पर अपने माता-पिता से मिलने के लिए अपॉइंटमेंट नहीं लेनी पड़ती।'

ऐश्वर्या का जवाब सुनकर डेविड चुप हो जाते हैं। हिंदुस्थानी भाषा को लेकर पूछे गए एक अन्य सवाल के जवाब में ऐश्वर्या ने कहा कि हमारे पास बोलने के लिए कई भाषाएं हैं। सिर्फ हिंदी या इंग्लिश नहीं।'

अर्जुन को सीखना है एक्शन

जॉन अब्राहम ने बॉलीवुड में एक ऐक्शन हीरो के रूप में पहचान बनाई है। फैंस उनको इस एक्शन की वजह से बहुत पसंद भी करते हैं। अब उनकी तारीफ अभिनेता अर्जुन कपूर ने भी किया है। बता दें कि फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में अर्जुन कपूर और जॉन अब्राहम साथ-साथ नजर आनेवाले हैं। जॉन के साथ काम करने को लेकर अर्जुन ने कहा कि बहुत खुशी होती है, जब आपको उनके साथ काम करने का मौका मिलता है, जो एक्शन में बहुत अच्छे हैं। वो मेरे एक्शन लेवल को बढ़ाएंगे, उनसे सीखना चाहूंगा और उनकी मदद से अपनी ताकत दिखाना चाहूंगा।

चंकी की चूक नीलम को पड़ी थी भारी

लंबे अर्से बाद अत्रिनेत्री नीलम फिर से बॉलीवुड में सक्रिय नजर आ रही हैं। पिछले दिनों नीलम ९० के दशक के अपने को-स्टार गोविंदा के साथ सोनी के रियालिटी शो 'सुपर डांसर सीजन-४' में नजर आई थीं। हाल ही में उनके एक अन्य को स्टार चंकी पांडे ने उन्हें याद करते हुए फिल्म 'आग ही आग' की शूटिंग के दौरान उनसे हुए एक रोंगटे खड़े कर देनेवाला वाकया बताया।

चंकी ने अपनी डेब्यू फिल्म 'आग ही आग' की शूटिंग के दौरान हुई घटना के बारे में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि 'फिल्म में एक सीन था, जहां मुझे नीलम को बाइक पर बिठाकर भागना था।

उस दौरान मैंने उन्हें बाइक से गिरा दिया और उनका पैर बुरी तरह से जल गया था।'

बकौल चंकी, 'वह भयानक था, उनके पैर की स्किन निकल गई थी।'

अर्चना बनकर लौटेंगी अंकिता

एकता कपूर का शो 'पवित्र रिश्ता' टेलीविजन के इतिहास के सबसे सक्सेसपुâल शो में से एक है। शो को बंद हुए ८ साल हो गए हैं, लेकिन लोग आज भी मानव और अर्चना की जोड़ी को भूले नहीं हैं। यही वो शो है, जिसने अंकिता लोखंडे को घर-घर में पहचान दिलाई और फैंस को अपने प्यार से बांध रखा। लेकिन परिस्थितियां बदलीं और २०१४ में शो ऑफएयर हो गया। अब पवित्र रिश्ता के फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है। ये सीरियल

अब ओटीटी प्लेटफॉर्म में वापसी कर सकता है। सीरियल में अर्चना के किरदार में एक बार फिर अंकिता लोखंडे ही नजर आएंगी। शो की दूसरी कास्ट भी जल्द से जल्द फाइनल की जाएगी।

शिल्पा का कबूलनामा

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शाहरुख खान और काजोल इस फिल्म के लीड रोल में थे। शिल्पा काजोल की बहन बनी थीं। १९९३ में आई फिल्म 'बाजीगर' की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए शिल्पा एक बड़ी बात लोगों के सामने कबूली। अपने टीवी रियल्टी शो 'सुपर डांसर चैप्टर ४' के दौरान शिल्पा ने कहा कि इस फिल्म का फेमस गाना 'काली काली आंखें' का हिस्सा नहीं होने पर मुझे बहुत जलन हुई थी। इस शो का नया प्रोमो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें शिल्पा इस गाने पर डांस करती हुए दिख रही हैं। सोनी टीवी पर प्रसारित इस डांस शो में शिल्पा सेट्टी, गीता कपूर और अनुराग बसु संग बतौर जज के रूप में नजर आती हैं।

विद्या से दूर रही हैं दूर की कजन

बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम करने वाले अभिनेता-अभिनेत्री अक्सर अपनी शूटिंग वगैरह की वजह से अपने संबंधियों से दूर हो जाया करते हैं। इसी तरह की दूरियों को लेकर विद्या बालन ने खुलासा किया है। बता दें कि फिल्म 'द फैमिली मैन' की अभिनेत्री प्रियमणि, विद्या की दूर की कजन हैं लेकिन उनके बीच मेल-मिलाप कम ही रहा है। यानी की विद्या की दूर की कजन उनसे अब तक दूर ही रही हैं।

विद्या ने एक साक्षात्कार के दौरान प्रियमणि से संबंधों को लेकर कहा कि क्या आप यह मानेंगे कि हम अपने जीवन में एक बार मिले हैं। उन्होंने कहा कि हम एक फिल्म अवॉर्ड स्टेज पर मिले थे क्योंकि हमारे परिवार संपर्वâ में नहीं हैं। उन्होंने प्रियमणि की तारीफ करते हुए कहा कि वो बहुत अच्छा कर रही हैं। अर्जुन को सीखना है एक्शन जॉन अब्राहम ने बॉलीवुड में एक ऐक्शन हीरो के रूप में पहचान बनाई है।

फैंस उनको इस एक्शन की वजह से बहुत पसंद भी करते हैं। अब उनकी तारीफ अभिनेता अर्जुन कपूर ने भी किया है।

बता दें कि फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में अर्जुन कपूर और जॉन अब्राहम साथ-साथ नजर आनेवाले हैं। जॉन के साथ काम करने को लेकर अर्जुन ने कहा कि बहुत खुशी होती है, जब आपको उनके साथ काम करने का मौका मिलता है, जो एक्शन में बहुत अच्छे हैं। वो मेरे एक्शन लेवल को बढ़ाएंगे, उनसे सीखना चाहूंगा और उनकी मदद से अपनी ताकत दिखाना चाहूंगा।

इंस्टा पर कियारा एक्शन में

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों एक्शन मोड में आ गई हैं। उनका एक्शन मोड सोशल नेटवर्किंग साइट इंस्टाग्राम पर नजर आया, जहां कियारा ने एक एक्शन से भरपूर पोस्ट शेयर किया। वीडियो में कियारा अपने ट्रेनर के मार्गदर्शन में स्टंट करती नजर आती हैं, जिसमें कियारा अपने पैर से ट्रेनर के सिर की वैâप निकाल देती हैं। कियारा ने अपने वीडियो को वैâप्शन दिया, 'डेढ़ साल बाद, ललित मेरी किक्स बैक पर भरोसा करने के लिए सलाम।' उनके पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए, प्रशंसकों ने अभिनेत्री को फिटनेस प्रâीक और प्रेरणा बताया। वर्वâप्रâट की बात करें तो कियारा को आखिरी बार कॉमेडी फिल्म इंदु की जवानी में देखा गया था, जिसमें वह आदित्य सील और मल्लिका दुआ के साथ थीं। वहीं अभिनेत्री अब सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'शेरशाह', कार्तिक आर्यन स्टारर 'भूल भुलैया २' और 'जुग जुग जीयो' में अनिल कपूर, नीतू कपूर और वरुण धवन के साथ नजर आएंगी।

छटपटा रही थी भूमि

कोरोना काल में समय काटना भी एक बड़ी समस्या थी। बॉलीवुड की प्रतिभावान अभिनेत्रियों में एक मानी जानेवाली भूमि पेडणेकर के लिए तो यह और भी मुश्किलों भरा रहा।

भूमि फिर से फील्ड में लौटने के लिए छटपटा रही थीं। ऐसा खुलासा खुद भूमि ने किया है। जी हां, भूमि पेडणेकर ने फिर से शूटिंग शुरू कर दी है और मुंबई में सेट पर वापसी करते हुए उन्हें स्वप्निल अहसास हो रहा है। उनका कहना है कि सेट पर लौटने के लिए वह 'छटपटा' रही थीं और उस शहर में दोबारा काम शुरू करने लायक होने में खुद को 'सौभाग्यशाली' मानती हैं, जिसने कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बाद अभी अनलॉक होना आरंभ ही किया है। भूमि ने कहा कि महाराष्ट्र में अनलॉकिंग की प्रक्रिया शुरू होते ही शूटिंग के लिए अपने घर से निकल पाने को मैं अपना सौभाग्य समझती हूं। बीते सालभर से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री ने बहुत कुछ झेला है और इस महामारी ने इंडस्ट्री को तबाही के कगार पर धकेल दिया है।

बढ़ा सोना का कुनबा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के परिवार में एक नया सदस्य शामिल हुआ है। ये नया सदस्य एक पेड़ है, जिसे सोना ने गोद लिया है। मंगलवार को सोना ने अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट पर उक्त पेड़ की तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वे अपने माता-पिता पूनम और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपने गोद लिए हुए पौधे को पानी देते हुए नजर आ रही हैं। हाल ही में चक्रवात तौकते के दौरान बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए थे, जिसे देखते हुए सोना ने यह पहल की गई है। उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में मुंबईकरों से आगे आने और पेड़ों को अपनाने यानी गोद लेने का आह्वान किया है। मिस्टर मोटे और उनकी टीम बीएमसी ने इस अद्भुत पहल को शुरू किया है, ताकि समुदाय के जागरूक लोग उखड़ गए पेड़ों की जगह नए पेड़ लगाकर उन्हें अपना सकें। वर्वâप्रâट की बात करें तो सोनाक्षी अजय देवगन के साथ 'भुज द प्राइड ऑफ इंडिया' में नजर आएंगी।

बी. वोक इंटीरियर डिजाइन में प्रवेश

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

इंटीरियर डिजाइन में डिग्री प्रोग्राम एक विशेष शाखा है जो बहुत लोकप्रियता और मांग प्राप्त कर रही है। एक पेशेवर डिग्री कार्यक्रम होने के नाते स्नातकों के पास स्नातक स्तर पर अपना उद्यमिता अभ्यास शुरू करने की गुंजाइश है। वे विभिन्न विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं और चुने हुए क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे पेशेवरों की जबरदस्त मांग है, जो संगत डिजाइन समाधान प्रदान कर सकते हैं।

B.Voc इंटीरियर डिजाइन कोर्स हाइलाइट्स:

यह इंटीरियर डिजाइन में 3 साल का पूर्णकालिक डिग्री कोर्स है। यह यूजीसी और मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त एक कौशल विकास आधारित कार्यक्रम है। यह भारत सरकार के N S Q F (नेशनल स्किल क्वालिटी फ्रेमवर्क) की तर्ज पर विकसित रोजगार और उद्यमिता पर केंद्रित है।

B.Voc इंटीरियर डिजाइन, एक मजबूत दृष्टि और लक्ष्य द्वारा निर्देशित है, जो डिजाइन और योजना अध्ययन की स्थानीय और वैश्विक दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण मिशन की ओर उन्मुख है। डिजाइन अध्ययन के युवा, नवोदित, इच्छुक छात्र बेहतरीन वास्तुकला और डिजाइन शिक्षा प्राप्त करते हैं जो राज्य और देश के समग्र सतत विकास के अनुरूप है।

बी. वोक इंटीरियर डिजाइन के लिए पात्रता:

इस पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में शामिल होने के लिए छात्र की पात्रता होगी-

एचएससी किसी भी स्ट्रीम (विज्ञान / वाणिज्य / कला) या समकक्ष से उत्तीर्ण

या S.S.C + दो साल का पूर्णकालिक डिप्लोमा या तीन साल का अंशकालिक डिप्लोमा।

और- संस्थान द्वारा आयोजित एक प्रवेश (एप्टीट्यूड टेस्ट) परीक्षा।

एप्टीट्यूड टेस्ट में स्कोर करने में प्राथमिक जोर उम्मीदवार की ड्राइंग, कल्पना और अवलोकन कौशल पर होता है।

बी. वोक (इंटीरियर डिजाइन) के लिए एप्टीट्यूड टेस्ट पाठ्यक्रम में 200 अंकों की है, जो संस्थान द्वारा मुंबई विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित की जाती है। प्रवेश योग्यता के अनुसार केवल उन उम्मीदवारों दिया जाता है,जो पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं और प्रवेश परीक्षा में एक गैर-शून्य सकारात्मक अंक प्राप्त करते हैं। मुंबई विश्वविद्यालय के तहत बीवोक इंटीरियर डिजाइन का कार्यक्रम कुछ कॉलेजों में उपलब्ध है।

TSAP अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से पूरी तरह सुसज्जित अनुरक्षित परिसर और वातानुकूलित प्रयोगशालाओं, कक्षाओं, स्टूडियो, पुस्तकालय, सामग्री संग्रहालय, उच्च योग्य और समर्पित कर्मचारियों को पेशेवरों और शिक्षाविदों की गहन भागीदारी के साथ एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए एक आदर्श शिक्षण वातावरण प्रदान करता है। पाठ्यक्रम सामग्री और प्रवेश संबंधी विवरण के बारे में अधिक जानकारी के लिए आप tsapmumbai की वेबसाइट पर जा सकते हैं

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 का सफल आयोजन

यूपी की दीप्ति तिवारी रहीं विनर, खुशबू शर्मा व पीहू ठाकुर हुईं रनर अप

मुम्बई : कोरोना महामारी से व्याप्त इस संकट काल में लंबे समय तक लागू लॉकडाउन के बाद अब लोगों का जीवन धीरे धीरे सामान्य होने लगा है। लोग अपने अपने काम धंधे पर वापस लौटने लगे हैं। यही स्थिति बॉलीवुड में भी देखने को मिल रही है। बड़े प्रोडक्शन हाउस के बाद अब नए बैनर भी अपने प्रोजेक्ट की शूटिंग में निकल पड़े हैं। ऐसे हालात में मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 का सफल आयोजन आज 15 जून को किया गया। मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 का आयोजन डॉ कृष्णा चौहान ने करवाया जो ज्यूरी मेम्बर भी थे। इनके साथ इंटरनेशनल परफॉर्मर शिरीन फरीद और एंकर सिमरन आहूजा भी ज्यूरी की सदस्य थीं। इस कांस्टेस्ट मे देश भर से एक से बढ़कर एक सुंदर और टैलेंटेड युवतियों ने भाग लिया था। जिनमे से यूपी की दीप्ति तिवारी विनर

रहीं वहीं खुशबू शर्मा व पीहू ठाकुर हुईं रनर अप। गौरतलब है कि दीप्ति तिवारी पिछले 20 साल से मुम्बई में रहकर कई धारावाहिकों और फिल्मो में काम किया है। फर्स्ट रनर अप खुशबू शर्मा इंदौर की रहने वाली हैं व बॉलीवुड में न्यू फेस हैं। 2ण्ड रनरअप पीहू ठाकुर उत्तराखण्ड की हैं जो एक्टिंग के साथ साथ प्रिंट एड शूट में भी व्यस्त रहती है।डॉ कृष्णा चौहान का यह सातवां अवार्ड था। उन्होंने इससे पहले 6 अवार्ड समारोह करवाये हैं। इससे पूर्व कृष्णा चौहान ने दिसम्बर 2019 में बॉलीवुड लीजेंड एवार्ड और फरवरी 2020 में बॉलीवुड आइकोनिक एवार्ड करवाया था। सितंबर में मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2020, दिसम्बर 2020 में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड, बॉलीवुड लीजेंड अवार्ड, फरवरी 2021 में बॉलीवुड आइकोनिक अवार्ड फंक्शन का सफल आयोजन किया था। कृष्णा चौहान फाउंडेशन के अंतर्गत वह अगले माह जुलाई में "लेजेंड दादासाहेब फाल्के एवार्ड 2021" फंक्शन करा रहे हैं।आपको बता दें कि निर्देशक कृष्णा चौहान बॉलीवुड में पिछले 18 वर्षों से फ़िल्म मेकिंग जैसी जटिल विधा को आत्मसात कर रहे हैं। इससे पहले कृष्णा की एक शार्ट फ़िल्म को राज्य स्तर पर सराहना मिली है जो कि सामाजिक मुद्दे पर बनी थी। इसके अलावा कृष्णा चौहान ने दो फ़िल्म की भी तैयारी कर ली है। कृष्णा चौहान फ़िल्म डायरेक्टर होने के साथ-साथ जनहित में समाजसेवा के विभिन्न कार्यों में भी लिप्त रहते हैं। साथ ही वे बॉलीवुड के कई प्रतिष्ठित

एवार्ड फंक्शन्स भी कराते रहते हैं।वर्तमान में कृष्णा चौहान की दो हिंदी फिल्मों की शूटिंग अगले माह में होने जा रही है। कृष्णा चौहान के अनुसार उनकी एक फिल्म लॉक डाउन के कारण नहीं रिलीज़ हो पाई थी जिसे नये साल में रिलीज़ करने की योजना है। वह अगले माह लेजेंड दादा साहेब फाल्के एवार्ड कराने के साथ-साथ अपनी एक फ़िल्म की शूटिंग यूपी में शुरू करेंगे। इसके अलावा 2021 में ही वह अपनी एक म्यूज़िक कंपनी लांच करने की तैयारी कर रहे हैं।आपको बता दें कि बॉलीवुड में कृष्णा चौहान का रुतबा और कद बड़ा हो चला है। अब वे किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

डायरेक्टर कृष्णा चौहान का उनके नाम से कृष्णा फाउंडेशन तो है ही, उनकी कृष्णा चौहान नामक एड एजेंसी भी है।

मिस बॉलीवुड ऑनलाइन ब्यूटी कॉन्टेस्ट 2021 लगातार दूसरे साल आयोजित करके इसके फाउंडर व डायरेक्टर कृष्णा चौहान बेहद उत्साहित हैं, उन्होंने सभी विनर व रनर अप को मुबारकबाद पेश की है।

अनलॉक हो रहे राज्य...तो कब से खुलेंगे स्कूल? जानें क्या है राज्यों का प्लान

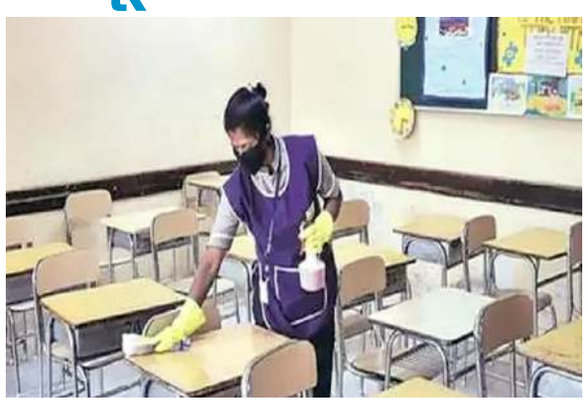

नई दिल्ली, कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ने के साथ ही कई राज्यों में लॉकडाउन में ढील दी जा रही है। दिल्ली, यूपी, बिहार, झारखंड समेत देश के अलग-अलग राज्यों में जनजीवन फिर से पटरी पर लौट रहा है। ऐसे में लोगों के मन में अब यह सवाल उठ रहा है कि बच्चों के लिए स्कूल और कॉलेज कब से खुलेंगे। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही राज्य सरकारें अब स्कूल खोलने को लेकर घोषणाएं करेंगी। कोरोना महामारी के कारण पिछले साल मार्च से ही सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। स्कूलों में ऑनलाइन क्लासेज चल रही हैं। स्कूलों को खोलने को लेकर राज्य सरकारें अपने स्तर पर फैसला करेंगी। आइए जानते हैं स्कूलों को खोलने को लेकर विभिन्न राज्यों में क्या स्थिति है।

पूरे भरोसे के बाद ही लेंगे स्कूल खोलने का फैसला

डॉक्टर वीके पॉल ने कहा कि स्कूलों को फिर से खोलने से पहले कई फैक्टर्स और पहलुओं को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि कई देशों में स्कूल खोले गए लेकिन संक्रमण बढ़ने के बाद उन्हें फिर बंद करना पड़ा। डॉक्टर पॉल ने कहा कि कोरोना वायरस जैसे रूप बदल रहा है, उसे देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि आगे चलकर यह बच्चों को अभी की तरह ज्यादा प्रभावित नहीं करेगा। इसलिए स्कूल खोलने का फैसला तभी लिया जाएगा जब पूरा भरोसा हो जाएगा कि महामारी नुकसान नहीं पहुंचा पाएगी। UP में 1 जुलाई से खुलेंगे स्कूल

यूपी सरकार ने 1 जुलाई से प्राइमरी और जूनियर स्कूलों को खोलने का फैसला किया है। इस दौरान स्कूलों में सिर्फ प्रशासनिक काम होंगे। बच्चों को अभी स्कूल नहीं बुलाया जाएगा। स्कूल में सिर्फ टीचर और अन्य स्टाफ ही आएंगे। बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन ही जारी रहेगी।

लोगों की लापरवाही से तीसरी लहर आ सकती है-टोपे

मुंबई, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शुक्रवार को कहा कि यदि लोगों ने साफ-सफाई कायम रखने और मास्क पहनने जैसे नियमों का पालन नहीं किया तो कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर आने की आशंका है।

मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में कम से कम 5,000 मौतें हुई हैं, जिनके बारे में पता नहीं चल पाया। इनसे संबंधित सारी जानकारी के सत्यापन के बाद संपूर्ण तालिका में इन्हें शामिल किया जाएगा। उन्होंने एक क्षेत्रीय समाचार चैनल से कहा कि सड़कों पर की भीड़ नहीं बल्कि "लोगों के मास्क न पहनने और स्वच्छता नियमों का पालन नहीं करने" से तीसरी लहर आने का खतरा है।

टोपे ने कहा, ''कोई भी तीसरी लहर के बारे में सटीक भविष्यवाणी नहीं कर सकता। लेकिन मास्क पहनने और उचित व्यवहार करने से हम इसके आगमन को टाल सकते हैं और इसके प्रभाव को न्यूनतम रखा जा सकता है।"

टोपे ने कहा, ''दूसरी लहर से स्वास्थ्य प्रणालियां बहुत प्रभावित हुईं और लड़खड़ा गईं। राज्य में लगभग 5,000 मौतें होने की आशंका है, जिनके बारे में जानकारी नहीं मिली। इनसे संबंधित सूचना का सत्यापन पूरा होते ही समग्र रिपोर्ट में इन्हें शामिल कर लिया जाएगा।"

इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए हाउसिंग सोसाइटियों में बनेंगे चार्जिंग स्टेशन, आदित्य ठाकरे ने दिया प्रस्ताव

मुंबई, महाराष्ट्र में बढ़ते प्रदूषण और ईंधन के दाम के मद्देनजर अब महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों को प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। इसी कड़ी में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए होने वाली चार्जिंग की समस्या को कम करने के लिए राज्य की हाउसिंग सोसाइटियों में चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव पेश किया गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो जल्द ही इस प्रस्ताव पर अमल शुरू हो जाएगा।

राज्य के शहरों में प्रदूषण को कम करने के संदर्भ में शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन किया गया था।

जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने की थी। इसी बैठक में आदित्य ठाकरे ने हाउसिंग सोसायटी में चार्जिंग पॉइंट्स बनाने का सुझाव दिया था।

ज्यादा से ज्यादा लोग करें इस्तेमाल ठाकरे ने कहा कि प्रदूषण कम करने के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि सरकारी स्तर पर भी जब ऐसे वाहनों को खरीदा जाए तब आर्थिक प्रावधानों की वजह से आने वाली दिक्कतों को भी समय से हल किया जाना चाहिए और नियमों में जरूरी बदलाव भी होने चाहिए। मसौदा तैयार करने का आदेश मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पर्यावरण मंत्री के इस प्रस्ताव को लेकर जल्द से जल्द मसौदा तैयार करने का आदेश अधिकारियों को दिया है। उन्होंने कहा कि अगर पुरुष का काम करना है तो इलेक्ट्रिक गाड़ियोंको ज्यादा से ज्यादा सड़क पर जगह देनी होगी। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों और ग्रामीण भागों में किस तरह से चार्जिंग स्टेशन को सुविधाजनक रूप से स्थापित किया जा सकता है इन तमाम बातों पर विचार विमर्श किया जाना चाहिए।

मुंबई में प्रॉपर्टी टैक्स नहीं बढ़ेगा, बीजेपी-कांग्रेस-एनसीपी-सपा के विरोध के बाद पीछे हटी शिवसेना

मुंबई, प्रॉपर्टी टैक्स के मुद्दे पर चौतरफा घिरी शिवसेना की तरफ से मेयर किशोरी पेडणेकर ने मोर्चा संभालते हुए कहा कि मुंबईकरों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं लादा जाएगा। उन्होंने कहा कि मुंबई में एक साल तक प्रॉपर्टी टैक्स में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी। पेडणेकर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने का सिर्फ प्रस्ताव आया है, उसे मंजूरी नहीं मिली है। बता दें कि प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव पर विपक्षी दलों भाजपा, कांग्रेस, राकांपा, सपा एवं आम आदमी पार्टी ने शिवसेना पर जोरदार हमला बोला, जिसके कारण शिवसेना बैकफुट पर आ गई। भाजपा एवं कांग्रेस तो इसे अभी से चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश करने लगी हैं। बीएमसी कानून के तहत प्रॉपर्टी टैक्स में हर पांच वर्ष बाद सुधार किया जाता है। 2015 में इसमें सुधार किया गया था। उसके बाद वर्ष 2020 में ही इसमें सुधार होना था, लेकिन कोरोना संकट के कारण राज्य सरकार ने वृद्धि को स्थगित कर दिया था। जून 2021 में उसमें रेडीरेकनर दर के अनुसार 14 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव बीएमसी प्रशासन ने स्थायी समिति में पेश किया है। घिरी शिवसेना पर भाजपा का हमला प्रॉपर्टी टैक्स बढ़ाने के प्रस्ताव पर भाजपा ने शिवसेना को होटल मालिकों और बिल्डरों की हितैषी

पार्टी बताया है। बीएमसी में भाजपा गुट नेता प्रभाकर शिंदे ने आरोप लगाया कि होटल व्यवसायियों, बिल्डरों व ठेकेदारों का करोड़ों रुपये माफ करनेवाली बीएमसी कोरोना संकट के दौरान मुंबईकरों पर टैक्स का बोझ लाद रही है। अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए शिंदे ने कहा कि वह मुंबई में 500 वर्गफुट से कम क्षेत्रफल वाले घरों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ करनेवाले वादे से मुकर गए। राज्य में शिवसेना की डेढ़ साल से सरकार है, लेकिन मुंबईकरों के 500 वर्गफुट के घरों का प्रॉपर्टी टैक्स माफ नहीं किया गया।

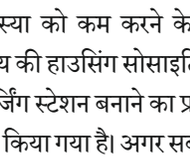

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

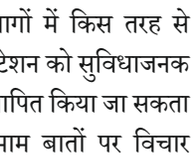

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રીપા ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥

Chintan Jiyani
99040 77991

JKC

Kishan Kyada
99040 77990

Jay Kuber
CONSULTANCY

- PERSONAL LOAN
- CONSUMER LOAN
- HOME LOAN
- MORTGAGE LOAN
- CAR LOAN
- MUDRA LOAN
- INSURANCE
- PANCARD

jaykuber1997@gmail.com

D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।